CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-357
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 29 मार्च 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

अगर जीवन में कुछ पाना है तो, अपने तरीके बदलो, इरादे नहीं

पेज-04

आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व को मिल रहा संबल, भाजपा गढ़ रही नए समीकरण

भोपाल। भाजपा को जीत का पर्याय बनाने के लिए जनाधार बढ़ाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपना ही अंदाज है। जो वर्ग सियासत के लिए कमजोर माने गए, उन्हीं को मजबूत कर मोदी चुनावी बाजी पलटने में माहिर माने जाते हैं। ऐसा ही एक वर्ग इस लोकसभा चुनाव में उभर कर सामने आया है, जिसे तराश कर मोदी भाजपा को मजबूत कर रहे हैं।

दशकों तक उपेक्षित आदिवासी वर्ग की राजनीतिक पार्टियों द्वारा पूछ-परख तो बढ़ी, पर इस वर्ग की महिलाओं को अधिक मौका देकर भाजपा नए समीकरण गढ़ रही है। आदिवासी बहुल राज्य मध्य प्रदेश हो या झारखंड, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब भी प्रवास पर जाते हैं, तो आदिवासी महिलाओं से संवाद अवश्य करते हैं। उनकी जीवन शैली, संस्कृति, कला और परंपराओं से न केवल रूबरू होते हैं, बल्कि अपने अनुभव साझा कर उन्हें प्रभावित करने में भी सफल रहते हैं।

आदिवासी वर्ग के बीच ऐसा अनुभव कभी नहीं रहा, जब प्रधानमंत्री ने उनके गांवों तक पहुंच कर मुलाकात की हो। मध्य प्रदेश में विस चुनाव से पहले शहडोल आए प्रधानमंत्री मोदी ने गोंड- बैगा वर्ग की आदिवासी महिलाओं के साथ संवाद किया था। लोकसभा चुनाव से पहले झाबुआ आए थे तो विलुप्त हो रही विशिष्ट पिछड़ी जनजाति सहरिया महिलाओं से बातचीत की थी। तब मोदी की दूरदृष्टि का अंदाज किसी को नहीं था। आदिवासी वर्ग की महिलाओं को नेतृत्व के लिए प्रोत्साहित करने का यह तरीका कोई भांप नहीं सका था।

आदिवासी कोटे में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण लोकसभा चुनाव के टिकट बंटे तो लोगों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं था, क्योंकि मध्य प्रदेश की छह आदिवासी लोकसभा सीटों में से भाजपा ने तीन पर महिलाओं को टिकट दिया। यानी आदिवासी कोटे में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण। मामला यहीं तक नहीं है। एससी की तीन में से एक और अनारक्षित वर्ग में से भी दो ओबीसी महिलाओं को भी भाजपा ने टिकट दिया है। कुल मिलाकर देखा जाए तो मध्य प्रदेश की कुल 29 लोस सीटों में से छह टिकट भाजपा ने महिलाओं को दिए

17वीं लोस में सर्वाधिक नेतृत्व आजादी के बाद से पहली बार 17वीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 82 तक पहुंची थी। 2019 में हुए आम चुनाव में 78 महिलाएं जीतकर आईं थी, वहीं उपचुनाव में चार महिलाएं और जीतीं। इनमें 12 आदिवासी महिलाएं सांसद हैं। 18वीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 100 पार होने की संभावना है। आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 47 लोकसभा सीटों में से 20 पर आजादी के बाद से अब तक आदिवासी महिला सांसद नहीं चुनी गईं।

झारखंड में भी बढ़ावा दे रही भाजपा झारखंड में भाजपा ने एसटी कोटे के पांच में से तीन टिकट महिलाओं को दिए हैं। महिलाओं को विस-लोस में 33 प्रतिशत आरक्षण देने को नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाया है। इसके अमल में आने से पहले ही पार्टी ने महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाया है।

इंटरपोल का दावा- बैंकों से हर साल 2-3 लाख करोड़ डॉलर का अवैध कारोबार

नई दिल्ली। हर साल वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क के जरिये 2-3 लाख करोड़ डॉलर का अवैध करोबार होता है। इतना ही नहीं 96 प्रतिशत से अधिक के कारोबार का पता नहीं चल पाता। इंटरपोल के एक शीर्ष अधिकारी ने यह दावा किया है। इंटरपोल के महासचिव जुर्गन स्टॉक ने कहा कि सिर्फ 2-3 प्रतिशत राशि ही पीड़ितों को वापस हासिल हो पाती है। इंटरपोल के महासचिव जुर्गन स्टॉक ने बताया कि इंटरपोल 196 सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों व निजी वित्त क्षेत्र के साथ काम करता है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, हथियार तस्करी व वित्तीय धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना है। बैंकिंग नेटवर्क के जरिये अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हम बैंकिंग संगठनों से लेनदेन पर नजर रखने के लिए प्रणाली के विकास पर काम कर रहे हैं। स्टॉक ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते धोखाधड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक निजी क्षेत्र जल्द से जल्द सूचनाएं साझा नहीं करता, तबतक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने अवैध तरीके से नकदी प्रवाह पर अंकुश लगने की चुनौती बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण स्थितियां और खराब हुई हैं और चुनौती बढ़ गई है।

देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने छोड़ा कांग्रेस का हाथ

चंडीगढ़। देश की सबसे अमीर महिला और हरियाणा की पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने भी कांग्रेस छोड़ दी है। कुछ दिन पहले ही उनके बेटे और उद्योगपति नवीन जिंदल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। 84 वर्षीय सावित्री जिंदल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा की है। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया- मैंने एक विधायक के रूप में 10 वर्ष तक हिसार के लोगों का प्रतिनिधित्व किया और एक मंत्री के रूप में निस्वार्थ भाव से हरियाणा राज्य की सेवा की है। हिसार के लोग मेरा परिवार हैं और अपने परिवार की सलाह पर, मैं आज कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं। फोर्ब्स इंडिया ने इस साल सावित्री जिंदल को देश की सबसे अमीर महिला के रूप में सूचीबद्ध किया है। फोर्ब्स की भारत की 10 सबसे अमीर महिलाओं की सूची के अनुसार, सावित्री जिंदल, जो दिवंगत उद्योगपति और पूर्व मंत्री ओपी जिंदल की पत्नी हैं, की कुल संपत्ति 29.1 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 24.27 हजार करोड़ रुपए बताई गई है। सावित्री जिंदल हरियाणा में पिछली भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में मंत्री थीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में वे हिसार से बीजेपी के डॉ. कमल गुप्ता से हार गई थीं। गुप्ता वर्तमान में नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री हैं। प्रसिद्ध उद्योगपति और हरियाणा के पूर्व मंत्री ओ पी जिंदल और सावित्री जिंदल के बेटे नवीन को आगामी लोकसभा चुनाव में कुरुक्षेत्र से भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस सांसद के रूप में 2004-14 तक लोकसभा में कुरुक्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नवीन जिंदल ने रविवार को पार्टी छोड़ दी थी और कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के एजेंडे में योगदान देना चाहते हैं।

सीएम बने रहेंगे केजरीवाल...लेकिन रिमांड 1 अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्पेशल कोर्ट में पेश किया। यहां ईडी ने फिर केजरीवाल की सात दिन की हिरासत मांगी। ईडी का कहना था पिक केजरीवाल पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनका एक अन्य आरोपी से आमना-सामना करवाना है। खचाखच भरी अदालत में खुद अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी बातें रखीं। अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा- मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया है? मेरे खिलाफ कोई आरोप नहीं है। क्या मेरी गिरफ्तारी के लिए कोई पर्याप्त आधार है? किसी कोर्ट ने अब तक मुझे दोषी नहीं माना है, फिर मुझे क्यों गिरफ्तार किया गया है? मेरे खिलाफ कोई आरोप नहीं है। इसके बावजूद केजरीवाल को कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। अदालत ने केजरीवाल की रिमांड 1 अप्रैल तक बढ़ा दी है। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को कोर्ट ने सात दिन की कस्टडी में भेजा था। गुरुवार को उनकी कस्टडी समाप्त होने जा रही थी। इस पर ईडी ने उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पेश किया। कोर्ट ने केजरीवाल की रिमांड 4 दिनों के लिए और बढ़ा दी।

बीजेपी में एंट्री के बाद भी पुलिस से नहीं बच पाए पूर्व विधायक राजकुमार

रीवा। रीवा जिले की सिरमौर सीट से विधायक रहे राजकुमार उरमलिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीजेपी में एंट्री के बाद भी पूर्व विधायक कानूनी कार्रवाई से नहीं बच पाए। हाल ही में बसपा छोड़कर बीजेपी में जाने वाले पूर्व विधायक राजकुमार उर्मालिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुराने वारंट की तामिली में जेल भेज दिया है। राजकुमार सिरमौर विधानसभा से बीएसपी से विधायक रह चुके है। पुलिस ने बताया कि एक पुराने चेक बाउंस के मामले में स्थाई वारंट जारी था। इस मामले में कार्रवाई करते हुए डभौरा थाने की पुलिस ने राजकुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने होली के मौके पर सैकड़ों वारंटियों को गिरफ्त में लिया था, जिन्हें न्यायालय में पेश किया, उसी में राजकुमार भी थे। पूर्व विधायक को न्यायालय से जेल भेज दिया गया है।2023 के विधानसभा चुनाव के पहले राजकुमार उरमलिया बसपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी और फिर आम आदमी पार्टी में आए थे और हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। एएसपी विवेक लाल ने बताया कि राजकुमार उरमलिया ने एक जेसीबी मशीन खरीदी थी और इसका भुगतान नहीं किया। बकाया भुगतान के लिए एक चेक दिया था जो बाउंस हो गया था। इस मामले में कंपनी ने न्यायालय में परिवाद दायर किया था।

चिट्ठी के जरिये सामने आए वकीलः सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा

600 से ज्यादा वकीलों ने न्यापालिका की अखंडता को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली। देश के जाने-माने 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है। पत्र लिखने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे से लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत तमाम प्रमुख नाम शामिल हैं। इन वकीलों ने चिट्ठी में न्यापालिका की अखंडता पर खतरे को लेकर चिंता जताई है। इन वकीलों का कहना है कि कुछ खास समूह न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं और कोर्ट के फैसलों पर असर डाल रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि यह समूह राजनीतिक एजेंडों के साथ आधारहीन आरोप लगा रहे हैं और न्यायपालिका की छवि के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। चिट्ठी में कहा गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे राजनीतिक चेहरों से जुड़े केसों में यह हथकंडे जाहिर तौर पर दिखते हैं। ऐसे मामलों में अदालती फैसलों को प्रभावित करने और न्यायपालिका को बदनाम करने के प्रयास सबसे अधिक स्पष्ट होते हैं।

न्यायपालिका के कामकाज की गलत छवि पत्र में कहा गया है कि कुछ खास समूह कथित तौर पर झूठे नैरेटिव गढ़ कर न्यायपालिका के कामकाज की गलत छवि पेश करना चाहते हैं। यह समूह मौजूदा वक्त की अदालतों की तुलना कोर्ट्स के एक कथित स्वर्णिम युग से करते हैं, ताकि न्यायिक फैसलों को प्रभावित किया जा सके और न्यापालिका पर जनता के विश्वास को डिगाया जा सके।

कुछ वकीलों की जजों को प्रभावित करने की कोशिश आधिकारिक सूत्रों द्वारा साझा किए गए पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के एक वर्ग पर निशाना साधा गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि वे दिन में नेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के जरिए जजों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। 'राजनीतिक और पेशेवर दबाव से न्यायपालिका को बचाना' शीर्षक वाली इस चिट्ठी में 600 से ज्यादा वकीलों के नाम हैं। इनमें आदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होला और स्वरूपमा चतुर्वेदी जैसे अन्य प्रमुख नाम भी शामिल हैं। वकीलों ने इस पत्र में किसी खास मामले का जिक्र तो नहीं किया है, हालांकि यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब अदालतें विपक्षी नेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के कई बड़े आपराधिक मामलों से सुनवाई कर रही हैं।

डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति वकीलों की इस चिट्ठी इसी बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। 5 दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था- वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

स्व. श्री. चिंतामणि मिश्रा

सत्ताईसवीं पुण्यस्मृति पर श्रद्धांजलि

॥ न जायते म्रियते वा कदाचि ॥ नायं भूत्वा भविता वा न भूयः ॥
॥ अजो नित्यः शाश्वतोयं पुराणोन ॥ हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥
॥ नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ॥
॥ न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

श्रद्धान्वत

CNews सिटी चीफ अभिप्राय CCN CABLE

सिंगल कॉलम

पीएससी ने जून से दिसंबर के बीच नौ परीक्षाओं का शेड्यूल किया जारी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने गुरुवार को विभिन्न विभागों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं को लेकर शेड्यूल जारी कर दिया है। जून से दिसंबर के बीच परीक्षाओं की तारीख घोषित की गई है। गुरुवार को आयोग के अधिकारियों ने बैठक बुलाई और प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के संबंध में निर्णय लिया। आयोग ने परीक्षा कैलेंडर बनाया है। इसमें 23 जून को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024, 30 जून को राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2023, 14 जुलाई को सहायक संचालक ग्रामोद्योग-2023, 25 अगस्त को खनिज अधिकारी 2023 परीक्षा होगी। वहीं 9 से 14 सितंबर के बीच राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024, 29 सितंबर को खनिज निरीक्षक परीक्षा 2023, 6 अक्टूबर को राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2024, 8 दिसंबर को सहायक पंजीयक, 15 दिसंबर को राज्य पात्रता परीक्षा 2024 रखी गई है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर परीक्षाओं के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, भर्ती परीक्षा के बारे में आयोग के पोर्टल पर अधिसूचना जारी कर दी गई है।

बेक लेन में कचरा पाए जाने पर एनजीओ डिवाइन के प्रतिनिधि को फटकार

इंदौर। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने गुरुवार को वार्ड-16 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बेक लेन में कचरा पाए जाने पर एनजीओ डिवाइन के प्रतिनिधि को फटकार लगाई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। निगम कमिश्नर ने इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास, देवधरम फिल्टर स्टेशन और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। पल्हर नगर में चेम्बर चोक होने की शिकायत प्राप्त होने पर चेम्बर को खुलवा कर अवलोकन किया। साथ ही सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने प्रेम नगर के पास बस्ती का अवलोकन किया गया। यहां रहवासियों से चर्चा की गई। उन्होंने बताया बारिश में क्षेत्र में जल जमाव की की स्थिति बन जाती है। इस पर उन्होंने जोनल अधिकारी विनोद अग्रवाल बारिश के पूर्व व्यवस्था को दुरुस्त करने को कहा।

जन्मदिन की पार्टी में गई युवती जहर खाकर लौटी, मौत

इंदौर। आजाद नगर थाना क्षेत्र में एक युवती ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना पवनपुरी पालदा की है। 20 वर्षीय शिवानी धर्मेंद्र की मौत हुई है। बुधवार को परिचित के जन्मदिन पर गई थी। जहर खाकर लौटी और मां की गोद में लेट गई। उसने कहा कि विद्यानगर में 12 दिन पूर्व सहेली की मौत हो गई। इस कारण परेशान है। टीआइ नीरज मेढ़ा के मुताबिक, नाबालिग होते हुए शिवानी की शादी हो गई थी। वह पति से अलग रह रही थी। शिवानी की सहेली विज्ञान नगर मे रहती थी। उसकी उम्र अभी 17 साल ही थी। कुछ दिन पहले उसने सुसाइड कर लिया था। शिवानी और मृतका अच्छी दोस्ती थी। वह उसकी मौत को लेकर काफी तनाव में चल रही थी। सहेली की मौत के बाद इलाके के तीन युवकों पर आरोप भी लगे थे। पुलिस ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया।

सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 से जुड़ी प्रक्रिया दोबारा शुरू होगी

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 से जुड़ी प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का फैसला किया है। आवेदन के संबंध में आयोग ने गुरुवार को विज्ञापन जारी कर दिया है, जिसमें अप्रैल के पहले सप्ताह से पंजीयन के लिए लिंक खुलेगी। आयोग इस बार उन उम्मीदवारों को मौका देगा, जिन्हें पहले अतिथि विद्वान का अनुभव और आयु सीमा का लाभ नहीं दिया गया था। वैसे अतिथि विद्वानों को दस वर्ष की आयु सीमा में छूट दी गई है। वंचित उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए आयोग 5 अप्रैल से पंजीयन की लिंक खोलेगा। 13 अप्रैल तक पंजीयन किए जा सकेंगे। इस बीच आवेदन में त्रुटि सुधार की प्रक्रिया 8 से 15 अप्रैल तक चलेगी। आयोग ने 13 से 20 अप्रैल तक तीन हजार और 20 से 30 अप्रैल तक आवेदन करने पर 25 हजार रुपये विलंब शुल्क रखा है। वहीं गुरुवार को आयोग ने परीक्षा की तारीख भी निर्धारित कर दी, 9 जून को करवाई जाएगी। सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आठ विषयों के 826 पदों के लिए रखी गई है। इसमें बाटनी (126), कामर्स (124), अंग्रेजी (200), हिन्दी (116), इतिहास (77), गृह विज्ञान (42), गणित (124), संस्कृत (17) शामिल हैं, जबकि 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पद रखे हैं।

रंगपंचमी की गेर के लिए होगी छतों की बुकिंग, गेर का क्रम नहीं बदलेगा, लाइव प्रसारण होगा, रथ में घूमेंगे एनआरआई

इंदौर की गेर में शामिल होंगे मुख्यमंत्री मोहन यादव, फाग यात्रा में डेढ़ घंटे रहेंगे

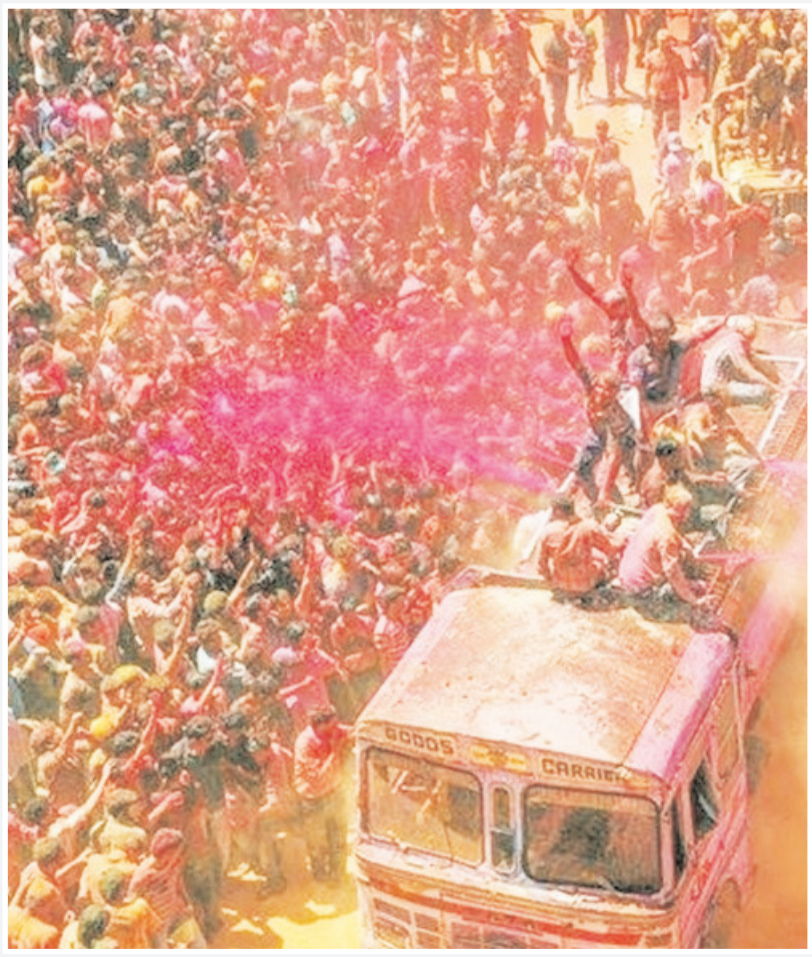

सिटी चीफ इंदौर। पूरे विश्व में प्रसिद्ध इंदौर की रंगपंचमी की गेर 30 मार्च को निकलने वाली है। गेर में 75 साल से एक क्रम में कई संस्थाओं की गेर निकलती है। इस साल गेर के क्रम में बदलाव करने का फैसला लिया था लेकिन वह वापस हो गया है। सभी गेर अब अपने पुराने क्रम और टाइमिंग से ही निकलेंगी। वहीं गेर में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। रंगपंचमी की गेर हर साल की तरह सुबह 10 बजे टोरी कॉर्नर से शुरू होगी। गोराकुंड से राजवाड़ा तक निकलेगी। आयोजक शेखर गिरी, कमलेश खंडेलवाल और अन्य सदस्यों ने बताया कि हमेशा की तरह रंगपंचमी पर टोरी कॉर्नर की गेर सबसे आगे ही रहेगी। भाजपा विधायक मालिनी गौड़ के बेटे एकलव्यसिंह की राधाकृष्ण फागयात्रा पहले की तरह तीसरे नंबर पर आएगी। विधायक के बेटे की फागयात्रा को सबसे पहले क्रम में किया गया था वहीं टोरी कार्नर को पहले नंबर से पीछे करते हुए दूसरे नंबर पर कर दिया था। टोरी कॉर्नर के आयोजकों ने इस पर ऐतराज जताया था और इसे परंपरा टूटने वाली बात कही थी। इसके बाद इस फैसले को वापस ले लिया गया है।

फैसले से नाराज थे आयोजक

जानकारी के मुताबिक प्रशासन के द्वारा पहले लिए गए फैसले से गेर के कुछ आयोजक संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में गुरुवार को दोबारा बैठक हुई और फिर से यह मुद्दा उठा। टोरी कॉर्नर गेर के आयोजक शेखर गिरी ने परंपरा को यथावत रखने का अनुरोध किया। कहा कि गेर का जो कार्यक्रम पारंपरिक है, उसे नहीं बदला जाना चाहिए। इसके बाद बदलाव का फैसला वापस ले लिया गया।

यह रहेगा क्रम

अब गेर की शुरूआत पहले की तरह टोरी कॉर्नर की गेर से ही होगी। दूसरे नंबर पर मॉरल, तीसरे पर हिन्द रक्षक, चौथे पर संगम कॉर्नर और पांचवें पर रसिया की गेर रहेगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया इस बार रूट पर आने वाले घरों की छतों पर विदेशी समेत अन्य सभी मेहमान बुकिंग कर गेर का आनंद ले सकेंगे। यह प्रयोग पहली बार किया जा रहा है। इसके लिए छत मालिक की सहमति आवश्यक होगी। अभी तक 150 स्थानों को चिह्नित किया गया है। बुकिंग के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाया है जिसे लांच किया जा रहा है। गेर में मुख्यमंत्री मोहन यादव का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

पहली बार गेर में कोई मुख्यमंत्री

गेर में इस बार मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी शामिल होंगे। वे गेर में करीब डेढ़ घंटे तक रहेंगे। गौरतलब है कि यह पहला मौका है जब कोई मुख्यमंत्री इस आयोजन में शामिल हो रहा है। मुख्यमंत्री के शामिल होने पर पुलिस व प्रशासन ने विशेष तैयारी की है। डा. मोहन यादव नरसिंह बाजार मंदिर में पूजन करेंगे। इसके बाद वे यहां से विधायक मालिनी गौड़ के नेतृत्व में निकलने वाली राधाकृष्ण फाग यात्रा में वाहन पर बैठकर शामिल होंगे। उनके साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित शहर भाजपा के प्रमुख नेता भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के वाहन के आसपास पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि भीड़ उनके करीब न पहुंचे। वे टोरी कार्नर से राजवाड़ा तक गेर में शामिल होकर पहुंचेंगे। उसके बाद वे वीआइपी मार्ग से कारकेड के माध्यम से एयरपोर्ट की ओर रवाना होंगे।

यूनेस्को की विरासतों में शामिल करने की कोशिश

सिटी चीफ इंदौर- इंदौर की रंगपंचमी की गेर को अब यूनेस्को की विरासतों में शामिल करने की कोशिश तेज हो गई है। इस बार की गेर का प्रशासन लाइव प्रसारण करवाएगा और विदेश में रहने वाले इस लिंक को वहां के हर स्थानीय ग्रुप में शेयर करेंगे। इसके साथ ही विदेशियों के लिए इस बार गेर में अलग गाड़ी रहेगी। शनिवार 30 मार्च को निकलने वाली गेर में एक लाख से अधिक लोग शामिल होने की उम्मीद है। 60 एनआरआई ने अभी तक इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। सभी को विशेष रथ में सवार करके गेर में घुमाया जाएगा। इस साल इंदौर की गेर को 75 साल हो चुके हैं।

अफ्रीकी देशों से भी प्रतिनिधिमंडल होगा शामिल

गेर में शामिल होने के लिए अफ्रीकी देशों से भी प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। कुछ ऐसे हैं जो परिवार सहित गैर के रंगों का आनंद लेने आएंगे। घाना से सलिल मेहरा व परिवार के लोग इंदौर आ रहे हैं। उन्होंने रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया है। यूएई से हेमंत चौहान, रेणु चौहान, कनाडा से मोहित चौहान, यूके से मनमीतसिंह, दुबई से विशाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में एनआरआई आ रहे हैं।

एनआरआई के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया हमने एनआरआई के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की है। अभी तक 60 विदेशी मेहमानों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। रजिस्ट्रेशन जारी है। पहली बार ऐसा होगा जब गेर में शामिल एनआरआई रंगों के इस उत्सव का सीधे रूप से हिस्सा होंगे। उनके लिए हमने अलग रथ की व्यवस्था की है। गौरतलब है कि ये विदेशी मेहमान वही हैं, जिन्होंने प्रवासी भारतीय सम्मेलन में भी हिस्सा लिया था। इसके अलावा शहर के कई आयोजनों में अपनी भूमिका निभा चुके हैं। इंदौर में जिस तरह से गेर निकाली जाती है, उस तरह किसी अन्य शहर में यह त्योहार नहीं मनाया जाता है।

75 साल पहले हुई थी गेर की शुरुआत

शहर में 75 साल पहले गेर की शुरुआत हुई थी। कुछ लोगों ने मल्हारगंज से राजबाड़ा तक इसकी शुरूआत की थी। हाथ में रंगों से भरे लोटे लेकर समूह में चलते थे। रास्तेभर रंग उड़ाते हुए काफिला निकलता था। 20- 25 लोगों से शुरू हुआ यह सफर अब तीन से चार लाख लोगों तक पहुंच गया है। अब ऐसी मिसाइलों का उपयोग होने लगा है, जिससे 300 फीट तक रंग छोड़ते हैं। इतना ही नहीं निगम का अमला दो से ढाई घंटे में पूरे गेर मार्ग को चकाचक कर देता है। यूनेस्को में इस विरासत को शामिल करने की कोशिश की जा रही है।

आईआईएम इंदौर का दीक्षा समारोह 31 मार्च को, 802 स्टूडेंट्स को मिलेगी डिग्री

इंदौर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर में 31 मार्च को 25वां वार्षिक दीक्षा समारोह आयोजित किया जाएगा। इस बार 802 प्रतिभागियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें 521 पुरुष और 281 महिला मैनेजर्स शामिल हैं। दीक्षा समारोह में मार्गन स्टेनली प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई अपना दीक्षा भाषण देंगे। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि यह आयोजन विशेष है क्योंकि यह न केवल स्नातकों के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत के निर्णायक का प्रतीक है, बल्कि उनके लिए एक नई यात्रा की शुरूआत भी है। प्रतिभागियों को अपनी डिग्री प्राप्त करते और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ते हुए देखना खुशी की बात है। मैं सभी स्नातक प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि वे अपने जीवन में और भी कई उपलब्धियां हासिल करते रहेंगे। मारीशस का बैंड देगा प्रस्तुति दीक्षा समारोह का शुभारंभ आईआईएम इंदौर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एमएम मुरुगप्पन करेंगे। साथ ही निदेशक प्रो. राय भी भाषण देंगे। मुख्य दीक्षा समारोह से पहले 30 मार्च को पूर्व दीक्षा समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान उद्योग प्रायोजित छात्रवृत्ति और एनबीएफए पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा, जिसमें मारीशस का बैंड पत्याटन मनमोहक संगीत का प्रदर्शन करेंगे। इन कोर्स के छात्रों को मिलेगी उपाधि इस बार आईआईएम इंदौर सात प्रमुख कोर्स के छात्रों को उपाधि प्रदान करेगा। इसमें पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी), पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीपीएचआरएम), फाइव ईयर इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम), कार्यकारी प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी), पेशेवर अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएमएक्स), प्रबंधन में डाक्टोरल कार्यक्रम (एफपीएम) और प्रबंधन में कार्यकारी डाक्टोरल कार्यक्रम (ईएफपीएम) कोर्स के 802 प्रतिभागी शामिल होंगे। बेहतर पैकेज प्राप्त करने वाले विद्यार्थी होंगे शामिल आईआईएम इंदौर के छात्रों ने हाल ही में प्लेसमेंट रिकार्ड में अच्छा प्रदर्शन किया था। 2022-2024 बैच के फाइनल प्लेसमेंट में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ था। इसमें दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) और पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम) के 594 विद्यार्थियों को नौकरी आफर हुई थी। इसमें अधिकतर छात्रों को 25.68 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज आफर हुआ था। वहीं एक करोड़ रुपये का सर्वाधिक वार्षिक पैकेज आफर हुआ था।

सेट परीक्षा,ओएमआर शीट में सिर्फ काले बाल पेन से अभ्यर्थी दे सकेंगे जवाब

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने साल की पहली राज्य पात्रता परीक्षा 2024 (सेट) घोषित कर दी। आयोग ने अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी की है, जिसमें परीक्षा के दौरान ओएमआर शीट पर जवाब दिए जाने पर खासा जोर दिया है। आफलाइन होने वाली सेट परीक्षा में अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट पर जवाब देना होंगे, जो सिर्फ काले बाल व स्याही पेन से करने पर मान्य होंगे। ऐसा इसलिए निर्देश दिए है, क्योंकि कई बार अभ्यर्थी पेंसिल या फिर लाल व नीले पेन से शीट में सही जवाब पर गोले बनाते है। इसके चलते मूल्यांकन के दौरान काफी परेशानी आती है। इन शीट को आप्टिकल स्कैनर के माध्यम से जांचा जाता है। 21 मार्च से 20 विषय में सेट परीक्षा के लिए आवेदन मांगे है। अभ्यर्थी 20 अप्रैल के बाद फार्म भर सकेंगे। आयोग ने परीक्षा को दिसंबर में करवाने का फैसला लिया है। 15 दिसंबर को इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सतना, रीवा, सागर, उज्जैन, रतलाम समेत 12 शहरों में परीक्षा केंद्र रहेंगे। तीन घंटे की दो पेपर होंगे, जिसमें एक सामान्य और दूसरा चयनित विषय का पेपर होगा। सामान्य में 50 प्रश्न होंगे। सही उत्तर पर दो अंक प्रत्येक प्रश्न के जवाब पर दिया जाएगा। विषय पेपर में 200 अंक के 100 प्रश्न होंगे। परीक्षाएं ओएमआर शीट पर आफलाइन रखी है। एमपीपीएससी ने जारी की गाइडलाइन गाइडलाइन में आयोग ने अभ्यर्थियों को यह भी हिदायत दी है कि शीट को किसी भी तरह से मोडे नहीं है। इससे आप्टिकल स्कैनर उसे रद्द कर सकता है। यहां तक कि शीट पर रफ कार्य करने की मनाही है।

मेट्रोपोलिटन सिटी घोषणा राजनीतिक मंचों से ही, अथारिटी गठित हो तो लगे इंदौर के विकास को पंख

सिटी चीफ इंदौर। बीते लोकसभा चुनाव के दौरान जोर-शोर से इंदौर को मेट्रोपोलिटन सिटी का दर्जा दिलाने की बात हुई थी। तत्कालीन भाजपा प्रत्याशी बने शंकर लालवानी के सामने शहर के प्रबुद्धजन ने मेट्रोपोलिटन अथारिटी गठित करने और विकास को रफ्तार देने की मांग रखी थी। इस पर लालवानी भी सहमत थे। लोगों के बीच लालवानी ने कहा था कि वे भी इंदौर के विकास को रफ्तार देना चाहते हैं। इस दिशा में कमल नाथ सरकार का सहयोग जरूरी है। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मप्र में कमल नाथ सरकार थी। चुनाव हुए तो लालवानी इंदौर सांसद बने। मप्र में सरकार बनी और फिर से भाजपा सत्ता में आ गई। पांच वर्षों में इंदौर मेट्रोपोलिटन सिटी की राह पर बस अढ़ाई कोस ही चल सका है। घोषणाएं कागजों से बाहर नहीं निकल सकी हैं। देश में अब तक दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरू, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और हैदराबाद को ही मेट्रोपोलिटन का दर्जा मिला है। 40 लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले पैमाने पर खरा उतरने के लिए इंदौर में मेट्रोपोलिटन अथारिटी बनाकर महू, राऊ, पीथमपुर और देवास के कुछ हिस्से को मिलाकर इंदौर मेट्रोपोलिटन नगर की सीमा पुनः निर्धारित करने की बात उठी थी। बीते चुनाव से इस चुनाव तक कुछ जमा इस दिशा में सिर्फ इतना हो सका है कि इंदौर विकास प्राधिकरण की ओर से एक रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंपी गई है। विधानसभा चुनाव से पहले अक्टूबर में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी घोषणा की थी कि इंदौर मेट्रोपोलिटन सिटी बनेगा। हालांकि घोषणा अब तक फाइल में ही दबी है। चुनाव भी हो गए और फिर से सरकार भी बन गई। सांसद लालवानी फिर से प्रत्याशी बनकर लोगों के सामने हैं। इस बीच फिर से बीते चुनाव के दौरान उठा प्रमुख मुद्दा इंदौर को मेट्रो सिटी का दर्जा दिलाने का तैर रहा है। नागरिक और मतदाता कह रहे हैं कि घोषणाएं तो बार-बार हुई लेकिन अब तक मेट्रोपोलिटन अथारिटी बनने की दिशा में कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। स्वायत्तता मिलेगी, विकास योजनाबद्ध होगा प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में अब भी विकास असमान और बिना किसी योजना के नजर आता है। सड़क बनने के बाद फ्लाईओवर प्लान किए जाते हैं। घरों की बसाहट होने के बाद सड़क और ड्रेनेज जैसी सुविधाओं की बात होती है। अवैध कालोनियां बसना आम है। नगर निगम राजस्व के संकट से जूझ रहा है और ज्यादा अधिकार चाहता है। आइडीए शहर के विकास और आवास के लिए काम करने के बजाय महंगा कालोनाइजर बना नजर आता है। मेट्रोपोलिटन अथारिटी बनने के बाद इन समस्याओं का हल मिलने की उम्मीद है। आइडीए और टीएंडसीपी का पुनर्गठन होगा। नगर निगम का दायरा बढ़ने के साथ अधिकार और शक्तियां भी बढ़ेंगी। हालांकि ये सब तब होगा, जब कागजों से निकलकर इस पर अमल शुरू होगाा।

सिंगल कॉलम

तेज रफ्तार इनोवा कार डिवाइडर से टकराई, छात्र की मौत

भोपाल। भोपाल के रातीबड़ इलाके में तेज रफ्तार इनोवा कार डिवाइडर से टकरा गई। इससे कार की पीछे वाली सीट पर बैठे 11 वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके चार साथी घायल हो गए। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। गाड़ी के टकराते ही उसके एयर बैग भी खुल गए थे। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई एनपी दुबे के मुताबिक समर्थ श्रीवास्तव पुत्र राकेश बिहारी श्रीवास्तव (18) साकेत नगर में रहता था। वह महात्मा गांधी स्कूल में 11 वीं कक्षा का छात्र था। वह अपने चार दोस्तों अथर्व राजोरिया, अथर्व कटारे, प्रखर द्विवेदी व एक अन्य के साथ उत्तर प्रदेश नंबर की इनोवा क्रिस्टा कार से घूम रहा था। एएसआई का कहना है कि केरवा से साक्षी की तरफ आते समय साक्षी ढाबे के पास तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार में बैठे पांचों युवक घायल हो गए थे। राहगीरों ने हादसे की सूचना डायल 100 को दी थी। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में समर्थ की मौत हो गई, जबकि घायलों की हालत खतरे से बाहर है। मृतक छात्र के शरीर में चोट के निशान नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि इंटरनल ब्लीडिंग के कारण उसकी मौत हुई है। हालांकि उसकी मौत के सही कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। बताया जा रहा है कि हादसे के समय आथर्व कटारे कार चला रहा था।

प्रॉपर्टी के लालच में पत्नी के साथ मिलकर बूढ़ी दादी को डंडों से पीटा

भोपाल। माता-पिता और दादा-दादी के लिए बच्चे बुढ़ापे की लाठी यानी सहारा होते हैं, लेकिन भोपाल के जहांगीराबाद में एक पोते ने प्रॉपर्टी के लालच में अपनी पत्नी के साथ मिलकर बूढ़ी दादी को जमकर प्रताड़ित किया। घटना का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह अपनी पत्नी संग दादी को हाथों और डंडे से बेरहमी से पीटता दिख रहा है। दर्द से दादी की चीख निकलने लगती तो पोता उनका मुंह दबा देता है। यह वीडियो 21 मार्च का बताया जा रहा है। मारपीट का यह वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने आरोपी पोते दीपक सेन (30) और पत्नी पूजा (25) को गिरफ्तार कर लिया। जहांगीराबाद थाना प्रभारी संजय सिंह सोनी ने बताया कि बापू कॉलोनी निवासी दीपक अपनी पत्नी पूजा सेन के साथ जयकिशन गौहर के मकान में 5 महीने से किराए से कमरा लेकर रह रहा था। दीपक के पिता का निधन हो चुका है। दादी बती बाई सेन जिला झांसी ग्राम राजापुर में छोटे बेटे के साथ रहती हैं, जहां उनके नाम प्रॉपर्टी है। दीपक अपनी दादी को यह कहकर लाया था कि उसका ख्याल रखेगा, लेकिन हकीकत में इसके पीछे प्रॉपर्टी का लालच था। वो 5 महीने पहले दादी को भोपाल लाया था। यहां उसने सैलून की दुकान खोल ली। कुछ दिन तो ठीक से रखा, लेकिन बाद में दादी से लड़ाई-झगड़ा और मारपीट शुरू कर दी। कुछ समय पहले शिकायत के बाद पुलिस ने उसे बिना कार्रवाई के छोड़ दिया था। इससे उसके हौसले बुलंद हो गए और आए दिन मारपीट करने लगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक से 3 लाख 35 हजार की ठगी

भोपाल। भोपाल में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक की मुलाकात एक जालसाज से हो गई। उसने युवक को पटवारी तथा उसकी पत्नी को नर्सिंग की नौकरी दिलाने के नाम पर 3 लाख 35 हजार रुपए ले लिए। पैसे देने के बाद भी जब नौकरी नहीं मिली तो मामले की सूचना पुलिस को कर दी गई। पुलिस ने जांच के बाद धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मिसरोद थाना प्रभारी मनीजराज सिंह भदौरिया ने बताया कि जाटखेड़ी इलाके में रहने वाले विकास पटेल व उनकी पत्नी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। पिछले साल जनवरी 2023 में विकास की मुलाकात पवन सूर्यवंशी नाम के युवक से हुई थी। पवन ने बातचीत के दौरान झांसा देते कहा कि सरकारी दफ्तरों में उसकी कई अधिकारियों से पहचान है। वह विकास तथा उसकी पत्नी की सरकारी नौकरी दिला सकता है। विकास उसके झांसे में आ गए तथा उन्होंने पवन को 3 लाख 35 हजार रुपए दे दिए। पैसे देने के बाद भी जब नौकरी का नियुक्ति पत्र नहीं मिला तो पवन ने अपने पैसे वापस मांगे। इस पर पवन ने आनाकानी करना शुरू कर दी। कई दिनों तक जब आरोपियों ने पैसे नहीं दिए तो विकास ने मामले की शिकायत पुलिस के आला अधिकारियों को कर दी। अधिकारियों की ओर से मिले जांच प्रतिवेदन पर मिसरोद पुलिस ने पवन सूर्यवंशी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

भोपाल में इस रमजान सजे हैं गली, मुहल्ले, चौक, चौराहे, बाजार

सिटी चीफ भोपाल। देश के बड़े त्यौहारों दीवाली, दशहरा, न्यू ईयर या वैशाखी की गिनती में रमजान माह और ईद भी शामिल है। उत्सवधर्मी अपने देश में हर त्यौहार को जश्न की तरह मनाने की परंपरा बरकरार है। हर साल रमजान माह में भोपाल शहर के प्रमुख बाजारों में विद्युत सज्जा और आकर्षक डेकोरेशन किया ही जाता है। इस रमजान एक कदम आगे चलकर लोगों ने मुहल्लों और घरों तक में बिजली बल्ब की लड़ियों से अपनी खुशियां जाहिर की हैं। पुराने शहर के सैकड़ों मुहल्ले और हजारों छोटी बड़ी गलियां रंगबिरंगी झिलमिलाहट से रौशन नजर आ रही हैं। रमजान और ईद की खरीद का मुख्य केंद्र चौक बाजार, इब्राहिमपुरा, नदीम रोड, लखेरापुरा, जुमेराती, इतवारा, जहांगीराबाद, काजी कैंप, लक्ष्मी टॉकीज आदि इलाका होता है। इन बाजारों की स्थानीय कमेटियां विभिन्न त्यौहारों पर सजावट की व्यवस्था करती हैं। खुशियों को और ज्यादा जोश भरती ये रंग बिरंगी लाइट्स ग्राहकों को भी चकाचौंध करने में कामयाब होती हैं। झिलमिल बाजार देर रात तक लोगों को वक्त की देरी का अहसास नहीं होने देते हैं और अल सुबह तक खरीद फरोख्त का सिलसिला जारी रहता है। परंपरा अनुसार इस रमजान भी बाजार रौशनी से लबरेज और ग्राहकों से गुलजार दिखाई दे रहे हैं।

गलियों तक झिलमिलाहट

आमतौर पर त्यौहार की खुशियां जाहिर करते लोग व्यक्तिगत तौर पर अपने घरों पर सजावट करते रहे हैं, लेकिन इस रमजान सिलसिला ऐसा चला कि मुहल्ले, गलियां, चौक, चौराहे तक सजावट से आबाद होते गए। आरिफ नगर से लेकर जहांगीराबाद तक, अहाता रुस्तम खां से कोहेफिजा और ईदगाह हिल्स तक और बाग दिलकुशाबाद से लेकर फरहत अफजा और ऐश बाग तक तरफ बिजली के बल्बों की झालर दिखाई दे रही हैं।

कंट्रीब्यूशन से हुई सजावट

पुराने शहर के विभिन्न मोहल्लों में स्थानीय उत्साही युवाओं ने इस सजावट मुहिम का जिम्मा उठाया। घरों घर दस्तक देकर एक निश्चित राशि का सहयोग लिया गया। जरूरी रकम जमा न होने पर युवाओं ने अपने कंट्रीब्यूशन को बढ़ाया भी और ज्यादा अदा कर पाने वालों से कुछ अतिरिक्त राशि लेकर सजावट काम को पूरा किया। लोगों की छतों पर चढ़कर, ऊंची दीवारों तक पहुंच कर और इन बिजली बल्ब लड़ों को सुंदर आकार देने की मशक्कत भी युवाओं ने की।

खर्च हजारों का

टोल वाली मस्जिद बुधवारा क्षेत्र के रहवासी फरहान खान कहते हैं कि पहले बल्ब की लड़ियां किराए पर लेने की योजना बनी, लेकिन इलेक्ट्रिक सजावट प्रोवाइडर के पास इनकी उपलब्धता न होने ने कदम रोके। जहां से इनकी मौजूदगी हो पा रही थी, उनका महीने भर का किराया बजट से मैच करता नजर नहीं आया। तय हुआ कि इनकी स्थाई खरीदी कर ली जाए तो ये हर मौसम और मौके पर काम आने वाली चीज हो सकती है। फरहान बताते हैं कि उनकी गली को करीब 45 हजार रुपए की बिजली बल्ब लड़ियों से रौशनी मिल पाई है। वे कहते हैं कि मुहल्ले की जरूरत के लिहाज से हर मुहल्ले में खर्च का आंकड़ा कम या ज्यादा है।

मप्र में पहले चरण की 6 सीटों पर 113 प्रत्याशी मैदान में

पांच सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर, एक पर त्रिकोणीय मुकाबला

सिटी चीफ भोपाल। प्रदेश की छह लोकसभा सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने का काम 27 मार्च को पूरा हो गया। अब 30 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इन सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। इन छह सीटों में से छिंदवाड़ा को छोड़कर पांचों सीटें फिलहाल भाजपा के कब्जे में है। सत्तारूढ़ भाजपा इस बार ये सभी छह सीटें जीतने में जुटी है, हालांकि विधानसभा चुनाव के नतीजों को देख विश्लेषण करें तो तीन सीटों मंडला, छिंदवाड़ा व बालाघाट में कांग्रेस कड़ी टक्कर दे सकती है, जबकि सीधी, शहडोल व जबलपुर में भाजपा मजबूत स्थिति में है। सियासी जानकारों का कहना है कि भाजपा 400 पार के लक्ष्य को लेकर बढ़ रही है और वह एक बार फिर राम और मोदी लहर के दम पर प्रदेश की सभी सीटों पर जीत के प्रति आश्वस्त है।

छह सीटों पर 113 ने 153 नामांकन पत्र भरे - लोकसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन भरने के अंतिम दिन 64 अभ्यर्थियों ने 89 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए। इसके साथ नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई। बुधवार को सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा में प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने पर्चा जमा किया। अब तक 6 संसदीय सीटों के लिए कुल 113 अभ्यर्थियों द्वारा 153 नाम निर्देशन पत्र भरे गए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि 27 मार्च तक लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 22 अभ्यर्थियों ने 30 नाम निर्देशन पत्र, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-12 शहडोल (अजजा) में 10 अभ्यर्थियों ने 14 नाम निर्देशन पत्र, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-13 जबलपुर में 22 अभ्यर्थियों ने 33 नाम निर्देशन पत्र, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-14 मंडला (अजजा) में 16 अभ्यर्थियों ने 18 नाम निर्देशन पत्र, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-15 बालाघाट में 19 अभ्यर्थियों ने 27 नाम निर्देशन पत्र एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में 24 अभ्यर्थियों द्वारा 31 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए हैं।

1. सीधी- यहां मुकाबला भाजपा के राजेश मिश्रा और कांग्रेस के कमलेश्वर पटेल के बीच है। हालांकि, भाजपा के राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह ने बागी होकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) से नामांकन भरा है। अजय प्रताप सिंह सीधी से टिकट मांग रहे थे, लेकिन भाजपा ने राजेश मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है। यहां पर अजय प्रताप सिंह के नाम वापस नहीं लेने पर मुकाबला रोचक हो सकता है। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक कमलेश्वर पटेल को टिकट दिया है। सीधी संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें हैं। इसमें चुरहट, सीधी, सिंहावल, चितरंगी, सिंगरौली, देवसर, धौहानी, ब्यौहारी शामिल हैं। चुरहट सीट कांग्रेस ने जीती है बाकी सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है।

2. जबलपुर- इस सीट पर कांग्रेस के दिनेश यादव और भाजपा के आशीष दुबे के बीच टक्कर है। कांग्रेस ने 10 साल से जबलपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष को प्रत्याशी बनाया है। यादव ओबीसी वर्ग से आते हैं। जबलपुर में कांग्रेस को बड़ा चेहरा हैं। पार्षद रह चुके हैं। पीसीसी के महामंत्री भी रहे हैं। वहीं, यहां से भाजपा ने आशीष दुबे को प्रत्याशी बनाया है। वे केंद्रीय नेतृत्व के करीबी हैं। इस सीट से राकेश सिंह को विधानसभा का चुनाव लड़ाया था। चुनाव जीतने के बाद राकेश सिंह ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वे प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। जबलपुर में आठ विधानसभा सीटें है। इसमें पाटन, बरगी, जबलपुर पूर्व, जबलपुर उत्तर, जबलपुर कैंट, जबलपुर पश्चिम, पनागर और सिहोरा सीट शामिल हैं। इनमें से सिर्फ एक सीट जबलपुर पूर्व कांग्रेस के कब्जे में है।

3. शहडोल (एसटी)- इस सीट पर कांग्रेस के फुंदेलाल मार्को और भाजपा की हिमाद्री सिंह के बीच मुकाबला है। हिमाद्री सिंह शहडोल से सांसद हैं। वहीं, मार्को पुष्पराजगढ़ आरक्षित सीट से विधायक हैं। वे तीन बार के विधायक और आदिवासियों के बड़े नेता हैं। उनकी ताकत जमीनी और जनता से जुड़ा होना है। वे अधिकतर अपने बयानों से सुर्खियों में रहते हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित शहडोल संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें आती हैं। इसमें जयसिंहनगर, जैतपुर, कोतमा, अनुपपुर, पुष्पराजगढ़, बांधवगढ़, मानपुर और बड़वारा सीट है। इनमें से सात सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। एक सीट पर कांग्रेस का कब्जा है।

4. बालाघाट- यहां पर कांग्रेस के युवा नेता सम्राट सारस्वत और भाजपा की भारती पारधी के बीच मुकाबला है। भाजपा ने सांसद ढाल सिंह बिसेन का टिकट काटकर पार्षद भारती पारधी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट पर भरोसा जताया है। वह पूर्व विधायक अशोक सारस्वत के बेटे हैं और राजपूत समाज से आते हैं। इस संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाटा, वारासिवनी, कटंगी, बरघाट और सिवनी आती हैं। यहां चार-चार सीटें भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जीती हैं। वहीं, दो आरक्षित सीट में से अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित बैहर सीट पर कांग्रेस और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित बरघाट सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की है।

5. मंडला (एसटी)- यहां पर मुकाबला केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और कांग्रेस के विधायक ओमकार सिंह मरकाम के बीच है। कुलस्ते को भाजपा ने निवास सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ाया था, लेकिन वे चुनाव हार गए। ओंकार सिंह मरकाम डिंडौरी से विधायक हैं। मरकाम वर्तमान में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। इस संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें हैं। इसमें डिंडौरी, बिछिया, निवास, केवलारी, लखनादौन, शहपुरा, मंडला और गोटेगांव शामिल हैं। इसमें से पांच सीटें कांग्रेस और तीन पर भाजपा का कब्जा है। इसमें छह सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। जिसमें चार कांग्रेस ने जीतीं।

6.छिंदवाड़ा- इस सीट पर कांग्रेस के सांसद नकुलनाथ और भाजपा के युवा नेता विवेक बंटी साहू के बीच मुकाबला है। छिंदवाड़ा सीट जीतने के लिए भाजपा पूरा जोर लगा रही है। कमलनाथ और नकुलनाथ के भाजपा में शामिल नहीं होने के बाद अब भाजपा ने उनके करीबियों को भाजपा में शामिल करने की रणनीति अपनाई है। पिछली बार कांग्रेस ने जीती इस एकमात्र सीट पर नकुलनाथ करीब 37 हजार वोटों से जीते थे। ऐसे कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के लिए छिंदवाड़ा सीट बचाना चुनौती पूर्ण हो सकता है।

33 साल बाद शिवराज और भानु प्रताप शर्मा का सामना

भोपाल। मध्यप्रदेश में विदिशा लोकसभा क्षेत्र भाजपा का गढ़ है। बीजेपी ने यहां से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने भी बुधवार को उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने पूर्व सांसद भानु प्रताप शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। शिवराज और भानु प्रताप पहले भी टकरा चुके हैं। अब 33 साल बाद फिर से दोनों आमने-सामने हैं। दरअसल, विदिशा संसदीय क्षेत्र मध्य प्रदेश के उन प्रमुख क्षेत्र में से है, जहां से कई दिग्गज निर्वाचित हुए हैं। इस क्षेत्र का पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, रामनाथ गोयनका और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने भी प्रतिनिधित्व किया है। यहां अब तक 15 चुनाव हुए हैं, जिनमें कांग्रेस सिर्फ दो बार जीती है और दोनों ही बार यहां भानु प्रताप शर्मा निर्वाचित हुए हैं। एक बार फिर कांग्रेस ने शर्मा को उम्मीदवार बनाया है।

सिंधिया परिवार के करीबी रहे हैं भानु प्रताप शर्मा

कांग्रेस में शर्मा की गिनती माधवराव सिंधिया के करीबियों में रही है। विदिशा से भाजपा ने वर्तमान सांसद रमाकांत भार्गव का टिकट काटते हुए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मैदान में उतारा है। चौहान पांच बार यहां से निर्वाचित हो चुके हैं और यह उनका छठा चुनाव है।

भानु शर्मा को हरा चुके हैं शिवराज

चौहान ने लोकसभा का पहला चुनाव 1991 में तब लड़ा था, जब अटल बिहारी वाजपेयी ने विदिशा के साथ लखनऊ से निर्वाचित होने के चलते विदिशा सीट छोड़ी थी। उस चुनाव में चौहान ने कांग्रेस के उम्मीदवार भानु प्रताप शर्मा को शिकस्त दी थी। विदिशा में 33 साल बाद चौहान और शर्मा एक बार फिर आमने-सामने हैं। वर्तमान में शिवराज इसी संसदीय सीट की बुधनी विधानसभा से विधायक हैं।

शिक्षा विभाग के आदेश को जीतू पटवारी ने बताया रस्म अदायगी

भोपाल। लोकसभा चुनाव के पहले राजनीतिक पार्टियों के आरोप प्रत्यारोप तेज होते जा रहे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश के शिक्षा विभाग के दिशा निर्देश पर सवाल उठाते हुए उनको रस्म अदायगी बताया है। मध्य प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के लिए नवीन शिक्षा सत्र 2024-25 में नामांकन एवं पुनर्भ्यास संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। पहले एक माह तक विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा के लिए पुनर्भ्यास कराया जाएगा। इसके बाद जून में जब स्कूल खुलेंगे तो नई कक्षा की पढ़ाई शुरू होगी। सत्र के प्रारंभ में विद्यार्थियों में विज्ञान, गणित एवं भाषा विषय की कठिन अवधारणाओं का अभ्यास 30 अप्रैल तक कराया जाएगा। पटवारी ने कहा कि एक अप्रैल को बाल सभा और विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। हर माह के लिए शैक्षणिक गतिविधियों का कैलेंडर जारी किया गया है।

भोपाल एम्स में पहली बार: एपी विंडो नामक बीमारी से पीड़ित बच्ची का नीतिनोल डिवाइस लगाकर ट्रीटमेंट

एक साल की बच्ची के दिल के छेद को बिना सर्जरी किया बंद

भोपाल। राजधानी के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में एपी विंडो नामक बीमारी से पीड़ित एक साल के बच्चे को नीतिनोल डिवाइस लगाकर ट्रीटमेंट किया गया। इस बीमारी में हार्ट की दो बड़ी रक्त वाहिकाओं (आर्टरी) के बीच छेद होता है। समय रहते बीमारी का इलाज नहीं होने पर मरीज की जान जाने का खतरा रहता है। यह जानकारी एम्स भोपाल ने जारी कर अपनी मीडिया रिपोर्ट में दी है। एम्स भोपाल के डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियोलॉजी के डॉक्टर्स ने बताया कि बीते दिनों एक साल की एक बच्ची ओपीडी में इलाज के लिए आई थी। उसे सीने में खिंचाव और वजन दिनों दिन घटने की शिकायत थी। मेडिकल जांच में बच्ची को एओर्टी पल्मोनरी विंडो (एपी विंडो) डिसीज होने का खुलासा हुआ। इस बीमारी के इलाज में मरीज की सर्जरी करना होती है। लेकिन, मरीज की उम्र कम होने के कारण मरीज की सर्जरी नहीं करने का फैसला कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स ने लिया।

नीतिनोल डिवाइस से बिना सर्जरी बंद की एपी विंडो

कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि बच्ची के एपी विंडो का इलाज बिना सर्जरी किया गया। इसके लिए बच्ची के हार्ट में बनी एपी विंडो को नीतिनोल डिवाइस लगाकर बंद किया गया। बच्ची के दिल में 28 मिलीमीटर का छेद था, जिसमें 28 एमएम के बटन के आकार की डिवाइस लगाई गई। यह डिवाइस बच्ची की कमर के नजदीक की एक रक्त वाहिका के रास्ते एपी विंडो साइट तक पहुंचाई गई।

क्या है एपी विंडो बीमारी

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चों के दिल (हार्ट) में जब छेद एओर्टी पल्मोनरी स्थिति (पोजीशन) में होता है, तब इस बीमारी को एपी विंडो कहा जाता है। इस बीमारी के हार्ट की दो बड़ी ब्लड वैसल के बीच छेद हो जाता है। इस वजह से बीमारी को एपी विंडो डिसीज कहा जाता है।

20 हजार बच्चों में से एक को होती है

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि 20 हजार बच्चों में से एक बच्चे को एपी विंडो बीमारी होती है। अब तक इसका इलाज ऑपरेशन से होता है। एम्स ने बीमारी का इलाज बिना सर्जरी के पहली बार डिवाइस लगाकर किया है। बच्ची का ट्रीटमेंट डिपार्टमेंट के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भूषण शाह की निगरानी में डॉ. अंबर कुमार, डॉ. मधुर कुमार और एनेस्थेटिक डॉ. वैशाली वेंडेस्कर व कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ. योगेश निवारिया ने किया।

संपादकीय

गुरु युवराज सिंह की राह पर चेला अभिषेक शर्मा

जैसा गुरु, वैसा चेला... यह बात सनराइजर्स हैदराबाद के नए स्टार अभिषेक शर्मा पर बखूबी फिट बैठती है। युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा भारत के पूर्व ऑलराउंडर और धुरंधर क्रिकेटर युवराज सिंह को अपना गुरु मानते हैं। युवराज सिंह की तरह अभिषेक शर्मा भी पंजाब से आते हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 16 गेंदों में हॉफ सेंचुरी लगाकर अभिषेक शर्मा ने अपनी काबिलियत का एक और परिचय दिया। हालांकि, गुरु युवराज सिंह के पहले टी-20 वर्ल्ड कप में 12 गेंदों पर हॉफ सेंचुरी के रिकॉर्ड से थोड़ा पीछे रह गए। अमृतसर में 4 सितंबर 2000 को जन्मे अभिषेक शर्मा के पिता राजकुमार शर्मा भी क्रिकेटर रहे हैं। पिता की महत्वाकांक्षा ने ही अभिषेक को क्रिकेट के मैदान पर उतरने के लिए प्रेरित किया। पिता अभिषेक को लोकल स्पोर्ट्स क्लब में प्रैक्टिस कराया करते थे और स्थानीय टीमों के साथ वो प्रतिस्पर्धा करते थे। अभिषेक ने अमृतसर के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है और वो पढ़ाई में भी अव्वल थे। क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 80 प्रतिशत अंक हासिल किए। अभिषेक शर्मा ने जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी से भी पढ़ाई की है। पंजाब के लिए अंडर-16 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में वर्ष 2015-16 में अभिषेक शर्मा ने 57 विकेट लिए थे। अभिषेक ने अंडर-19 एशिया कप में भारत की कप्तानी भी की थी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वर्ष 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स ने अभिषेक को 55 लाख रुपए में खरीदा। अपने पहले ही आईपीएल मैच में अभिषेक ने 19 गेंद पर 46 रनों की पारी खेली थी और अपने इरादे बता दिए थे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे बड़ा 277 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैन ऑफ द मैच रहे अभिषेक शर्मा ने 23 गेंद पर 63 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के और तीन चौके शामिल रहे। अभिषेक से ठीक आधा घंटा पहले उन्हीं के टीममेट ट्रेविस हेड ने 18 गेंद पर हॉफ सेंचुरी लगाकर अपनी टीम के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन यह रिकॉर्ड अभिषेक के आगे कुछ ही मिनट का रहा। हालांकि, आईपीएल की सबसे तेज हॉफ सेंचुरी राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल के नाम हैं, जिन्होंने 13 गेंदों पर यह करिश्मा किया था। दूसरे नंबर पर के.एल.राहुल और पेट क्यूमिंस हैं, जो 14 गेंदों पर हॉफ सेंचुरी लगा चुके हैं, जबकि यूसुफ पठान, सुनील नारेन और निकोलस पूरन ने 15 गेंदों पर हॉफ सेंचुरी बनाई है। अभिषेक शर्मा ने अब तक 90 टी-20 मैच खेले हैं और 2282 रन बनाए हैं। उनका अधिकतम स्कोर 112 रन है। अभिषेक गुरु युवराज की भांति स्पिन गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने टी-20 में 30 विकेट लिए हैं। संकट के समय कप्तान गेंदबाजी के लिए अभिषेक की तरफ देखते हैं। अभिषेक शर्मा ने टीम इंडिया के सिलेक्टर्स को मजबूर कर दिया है कि वो अगली बार जब भी टीम का चयन करें तो उनको नजरअंदाज नहीं कर पाएं।

अनंत प्रस्थान पर स्वामी स्मरणानंद, विकसित भारत की संकल्प शक्ति बनेंगे उनके विचार

लोकसभा चुनाव के महापर्व की भागदौड़ के बीच एक ऐसी खबर आई, जिसने मन-मस्तिष्क में कुछ पल के लिए एक ठहराव-सा ला दिया। भारत की आध्यात्मिक चेतना के प्रखर व्यक्तित्व श्रीमत स्वामी स्मरणानंद जी महाराज का समाधिस्थ होना, व्यक्तिगत क्षति जैसा है। कुछ वर्ष पहले स्वामी आत्मास्थानंद जी का महाप्रयाण और अब स्वामी स्मरणानंद का अनंत यात्रा पर प्रस्थान कितने ही लोगों को शोक संतप्त कर गया है। मेरा मन भी करोड़ों भक्तों, संत जनों और रामकृष्ण मठ एवं मिशन के अनुयायियों-सा ही दुखी है। इस महीने की शुरुआत में, अपनी बंगाल यात्रा के दौरान मैंने अस्पताल जाकर स्वामी स्मरणानंद जी के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। स्वामी आत्मास्थानंद जी की तरह ही, स्वामी स्मरणानंद जी ने अपना पूरा जीवन आचार्य रामकृष्ण परमहंस, माता शारदा और स्वामी विवेकानंद के विचारों के वैश्विक प्रसार को समर्पित किया। यह लेख लिखते समय मेरे मन में उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुई बातें, वे स्मृतियां जीवंत हो उठी हैं। जनवरी, 2020 में बेलूर मठ में प्रवास के दौरान, मैंने स्वामी विवेकानंद जी के कमरे में बैठकर ध्यान किया था। उस यात्रा में मैंने स्वामी स्मरणानंद जी से स्वामी आत्मास्थानंद जी के बारे में काफी देर तक बात की थी। आप जानते हैं कि रामकृष्ण मिशन और बेलूर मठ के साथ मेरा कितना आत्मीय संबंध रहा है। अध्यात्म के एक जिज्ञासु के रूप में, पांच दशक से भी यादा के समय में, मैं भिन्न-भिन्न संत-महात्माओं से मिला हूं, अनेकों स्थलों पर रहा हूं। रामकृष्ण मठ में भी मुझे अध्यात्म के लिए जीवन समर्पित करने वाले जिन संतों का परिचय प्राप्त हुआ था, उसमें स्वामी आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानंद जी जैसे व्यक्तित्व प्रमुख थे। उनके पावन विचारों और उनके ज्ञान ने मेरे मन को निरंतर संतुष्टि दी। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कालखंड में ऐसे ही संतों ने मुझे जन सेवा ही प्रभु सेवा का सत्य सिद्धांत सिखाया। स्वामी आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानंद जी का जीवन, रामकृष्ण मिशन के सिद्धांत आत्मनो मोक्षार्थ जगद्धिताय च का अमिट उदाहरण है। रामकृष्ण मिशन द्वारा शिक्षा के संवर्धन और ग्रामीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से हम सभी को प्रेरणा मिलती है। रामकृष्ण मिशन भारत की आध्यात्मिक चेतना, शैक्षिक सशक्तीकरण और मानवीय सेवा के संकल्प पर काम कर रहा है। 1978 में जब बंगाल में बाढ़ की विभिषिका आई, तो रामकृष्ण मिशन ने अपनी नि:स्वार्थ सेवा से सभी का हृदय जीत लिया था। मुझे याद है, 2001 में कछ के भूकंप के समय स्वामी आत्मास्थानंद उन सबसे पहले लोगों में से एक थे, जिन्होंने मुझे फोन करके कहा कि रामकृष्ण मिशन हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। रामकृष्ण मिशन ने भूकंप के उस संकट काल में लोगों की बहुत सहायता की। बीते वर्षों में स्वामी आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानंद जी ने सामाजिक सशक्तीकरण पर बहुत जोर दिया। जो लोग इन महान विभूतियों को जानते हैं, उन्हें यह जरूर याद होगा कि आप जैसे संत मॉर्डन लर्निंग, स्किलिंग और नारी सशक्तीकरण के प्रति कितने गंभीर रहते थे। स्वामी आत्मास्थानंद जी की जिस विशिष्टता से मैं सबसे अधिक प्रभावित था, वह थी हर संस्कृति, हर परंपरा के प्रति उनका प्रेम, उनका सम्मान। इसका कारण था कि उन्होंने भारत के अलग-अलग हिस्सों में लंबा समय गुजारा था और वह लगातार भ्रमण करते थे। उन्होंने गुजराती बोलना सीखा और मुझसे भी वह गुजराती में ही बात करते थे। भारत की विकास यात्रा के अनेक बिंदुओं पर हमारी मातृभूमि को स्वामी आत्मास्थानंद जी, स्वामी स्मरणानंद जी जैसे अनेक संत महात्माओं का आशीर्वाद मिला है, जिन्होंने हमें सामाजिक परिवर्तन की नई चेतना दी है। इन संतों ने हमें एक साथ मिलकर समाज के हित के लिए काम करने की दीक्षा दी है। ये सिद्धांत अब तक शाश्वत हैं और आने वाले कालखंड में यही विचार विकसित भारत और अमृत काल की संकल्प शक्ति बनेंगे। मैं पूरे देश की ओर से ऐसी संत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मुझे विश्वास है कि रामकृष्ण मिशन से जुड़े लोग उनके दिखाए मार्ग को और प्रशस्त करेंगे। ओम शांति।

मंथन: क्या बच्चे चुनावी मुद्दा बनेंगे, जनसांख्यिकीय लाभांश के लिए युवा आबादी का कुशल होना जरूरी

भारत लोकसभा चुनाव के लिए तैयार है और चुनाव की प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। राजनीतिक पंडित भी देश के मिजाज, सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों की संभावनाओं आदि के बारे में बताएंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर हाल में सत्ता में वापसी करेगी। लेकिन इस बीच हमें खुद से भी कुछ सवाल पूछने होंगे। एक आम नागरिक के रूप में थोड़ा ठहरकर हमें एक मूलभूत सवाल पूछना चाहिए कि हम किस पर उम्मीद कर सकते हैं। एक आम भारतीय नागरिक और अभिभावक होने के नाते मेरा जवाब होगा कि जो बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करे। मैं बिल्कुल सामान्य बच्चों की बात कर रही हूं, जिनके माता-पिता के पास न तो ज्यादा पैसा है और न ही प्रभावशाली लोगों से संपर्क। यह क्यों प्रासंगिक है? इसका संक्षिप्त जवाब यह है कि बच्चों पर ध्यान दिए बिना भारत के सपनों और आकांक्षाओं को जल्द पूरा करना संभव नहीं है। अमीरों के बच्चे तो हमेशा अपना रास्ता ढूंढ लेते हैं और वे ऐसा ही करेंगे, चाहे सत्ता में कोई भी आए। उनके पास कई देशों में अनेक विकल्प मौजूद हैं। मेरी चिंता उन बाकी बच्चों के प्रति है, जिनके पास अपने सपने पूरे करने के लिए संसाधनों का अभाव है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन और पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के शिक्षक रोहित लांबा ने हाल ही में आई अपनी पुस्तक ब्रेकिंग द मोल्ड रीइमेजिनिंग इंडियाज इकनॉमिक फ्यूचर में लिखा है कि अपने प्रभावशाली आर्थिक विकास के बावजूद भारत को बचपन की चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। हालांकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इन लेखकों के बारे में क्या सोचते हैं। आप उनके वैश्विक दृष्टिकोण से भी असहमत हो सकते हैं, लेकिन भारत के भविष्य को लेकर उन्होंने जो प्रासंगिक बातें कही हैं, वे महत्वपूर्ण हैं। राजन और लांबा ने 'द चाइल्डहुड चैलेंज' शीर्षक वाले अध्याय में लिखा है कि भारत की चुनौतियां मां और शिशु के पोषण के साथ प्रारंभ में ही शुरू हो जाती हैं। हमारे देश में कई बच्चे कम वजन के पैदा होते हैं और अपने जीवन के शुरुआती वर्षों में कुपोषित बने रहते हैं। प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के नामांकन की समस्या काफी हद तक दूर हो चुकी है, लेकिन सीखने के मामले में उनकी स्थिति बेहद खराब है। खराब प्रारंभिक स्वास्थ्य और सीखने की स्थिति का संयोजन हमारे बच्चों के संज्ञानात्मक और शारीरिक विकास को बाधित करता है। यह सीमित करता है कि वे अपने बाद के जीवन में कितना हासिल कर पाते हैं। इन लेखकों का कहना है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानक से दो पायदान नीचे के बच्चे को बौना माना जाता है, जो अपनी उम्र की तुलना में छोटे कद के होते हैं। वर्ष 2020 में तीन दशकों के मजबूत आर्थिक विकास के बावजूद पांच साल से कम उम्र के हमारे 35 प्रतिशत बच्चे नाटे कद के थे। एक भारतीय होने के नाते जेहन में यह सवाल कौंधता है कि कुछ पड़ोसी और तंजानिया, लाइबेरिया व सेनेगल जैसे उप-सहारा क्षेत्र के गरीब अफ्रीकी देश कैसे हमसे बेहतर कर रहे हैं। लेखक बताते हैं कि भारत में कई प्रभावशाली नीति विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि आनुवंशिकी भारतीय बच्चों को एक अलग वृद्धि देती है यानी उम्र के हिसाब से ऊंचाई का एक अलग पैटर्न है। लेकिन राजन और लांबा हैरान करने वाले तथ्य की ओर इशारा करते हैं। उनका कहना है कि श्रीलंका के लोगों के जीन तो संभवत: समान हैं, फिर भी उनके नाटेपन का स्तर भारतीयों की तुलना में कम है। वहीं, अध्ययनों में पाया गया है कि अमेरिका और ब्रिटेन में रहने वाले दक्षिण एशियाई बच्चे एक पीढ़ी के अंदर ही अपने साथियों की औसत ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। इसलिए लेखकों का मानना है कि आनुवंशिकी की बात पूरी तरह सही नहीं है। उनका कहना है कि हमें वास्तव में इस बात की समीक्षा करने की जरूरत है कि विभिन्न सामाजिक और आर्थिक समूहों में गर्भवती महिलाएं और बच्चे क्या खा रहे हैं? निर्विवाद तथ्य है कि बचपन में निरंतर कुपोषण के चलते वयस्क व्यक्ति की बौद्धिक और कार्यक्षमता का स्तर कम हो सकता है। साथ ही बीमारियों और हृदय रोग का खतरा रहता है। निश्चित रूप से भारत में अति निर्धनता घटी है। हाल के वर्षों में मोदी सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने की योजना ने देश में भुखमरी को रोक दिया है। इसके बावजूद कुपोषित बच्चों की इतनी बड़ी संख्या का क्या कारण हो सकता है? इसका कारण गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं और शिशुओं के खाने के पैटर्न और उनकी आदतों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देना है। भारत में काफी संख्या में बच्चे और महिलाएं खून की कमी से ग्रस्त हैं। इसमें मध्यम वर्ग के लोग भी शामिल हैं। इसलिए हमें वोट मांगने आने वाले राजनीतिक दलों से इन मुद्दों पर बात करनी चाहिए। वर्ष 2023 में आई 'द एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर)' के आंकड़ों से शैक्षिक गुणवत्ता की वास्तविकता सामने आती है। यह रिपोर्ट ग्रामीण भारत पर केंद्रित है। 14 से 18 वर्ष की आयुवर्ग के आधे से ज्यादा बच्चों को तीन अंकों की संख्या को एक अंक से विभाजित करने में कठिनाई आ रही थी। इस आयु वर्ग के 43.3 फीसदी बच्चे ही ठीक से सवाल हल कर पाए। यह कौशल आमतौर पर तीसरी और चौथी कक्षा में अपेक्षित होता है। आधे से कुछ ज्यादा (57.3 फीसदी) बच्चे ही अंग्रेजी के वाक्य पढ़ सकते हैं। यह तस्वीर राष्ट्रीय स्तर पर है। राज्यों और जिलों के बीच भारी असमानताएं दिखती हैं। कई लोग तर्क देते हैं कि ये सामान्य और गैर-राजनीतिक मुद्दे हैं। लेकिन भारतीय बच्चों के भविष्य और जनसांख्यिकीय लाभांश से ज्यादा महत्वपूर्ण और क्या हो सकता है? युवा आबादी ही कथित जनसांख्यिकीय लाभांश ला सकती है। यह तभी साकार होगा, जब भारतीय बच्चे बड़े होकर शिक्षित, कुशल और स्वस्थ बनेंगे। इससे वे अनिश्चित और निर्मम प्रतिस्पर्धी दुनिया से निपटने के लिए तैयार होंगे। चुनाव से पहले आम नागरिकों को इन मुद्दों को उठाना चाहिए। वोट मांगने वालों को भी इसे सुनना चाहिए और बताना चाहिए कि उनकी क्या कार्य योजना है और उसकी समय सीमा क्या होगी।

पड़ोस: तालिबान से सब परेशान, तीन साल में अफगानिस्तान के हालात बद से बदतर हुए

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के लगभग तीन साल होने को आए हैं, लेकिन हालात वहां बद से बदतर हो गए हैं। जब उन्होंने दूसरी बार सत्ता पर कब्जा किया, तो ऐसा लगा था कि वह वैसी सत्ता नहीं चाहते, जैसी पहले रह चुकी है। उन्होंने दुनिया को बताया था कि वह महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे, लेकिन ऐसा किया नहीं। इससे तालिबान सकार पूरी दुनिया के साथ-साथ अपनी जनता में भी भरोसा पैदा नहीं कर पाई है। यही वजह है कि अब तक उसे किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है। तालिबान ने हाल ही में स्टेडियम में एक शख्स को सार्वजनिक रूप से फांसी दी थी। इसका कोई कारण नहीं बताया गया। बाद में इतना जरूर कहा गया कि सरकार ने अपने सर्वोच्च नेता हिब्तुल्ला अखुंदजादा से मंजूरी लेने के बाद ही फांसी दी थी। पिछले तीन साल में सार्वजनिक फांसी की यह चौथी घटना थी। इससे अफगान नागरिकों का तालिबान से विश्वास उठ गया है। उनका मानना है कि तालिबान अपने दुश्मनों का इसी तरह से सफाया कर रहा है। तालिबान ने महिला पत्रकारों को लेकर नया फरमान जारी किया है कि वे बड़े पैमाने पर मीडिया प्लेटफॉर्म पर तब तक न जाएं, जब तक उन्होंने शरीयत के हिसाब से पूरी पोशाक न पहनी हो। उनकी सिर्फ आंखें ही दिखाई दें और बाकी चेहरे का हिस्सा ढका हुआ होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उन्हें सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि अफगान महिलाएं पहले से ही नौकरी करने को लेकर बड़े पैमाने पर पाबंदी झेल रही हैं। महिलाओं की शिक्षा पर तो पाबंदी है ही, उन्हें ब्यूटी पार्लर में भी काम करने की भी इजाजत नहीं है। तालिबान ने बिना पारिवारिक मर्द के महिलाओं की हवाई यात्रा पर भी पाबंदी लगा रखी है। हालांकि तालिबान सरकार ने अपनी जरूरत के मद्देनजर महिलाओं को मेडिकल में दाखिला लेने की इजाजत दे दी है। तालिबान सरकार पत्रकारों को भी स्वतंत्रता से काम करने नहीं दे रही। ऐसे 168 मामले सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारों को पीटा गया अथवा गिरफ्तार किया गया है। पत्रकार संगठनों की आलोचना और मांग के बाद तालिबान सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जिन पत्रकारों को जेल में डाला गया है, उन्हें जल्दी रिहा कर दिया जाएगा। हाल ही में कांधार में एक आतंकवादी हमले में कई लोग मारे गए और कई जख्मी भी हुए। उस घटना की जिम्मेदारी आईएस ने ली। अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी कम से कम दो से ढाई हजार की संख्या में हैं। गौरतलब है कि अफगान तालिबान और आईएस एक-दूसरे के कट्टर विरोधी हैं। इसके अलावा, हजारों की संख्या में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाके अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं, जो समय-समय पर पाकिस्तान में घुसकर आतंकी घटनाओं को अंजाम देते हैं। हाल ही में टीटीपी ने पाकिस्तान में एक सैनिक चौकी पर हमला किया, जिसमें कई सैन्य अफसर व सैनिक मारे गए। इसके दो दिन बाद ही जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में टीटीपी के गुप्त ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें कई बेकसूर महिलाओं व बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने दोनों देशों को संयम बरतने की सलाह दी है। जहां तक भारत की बात है, तो हाल ही में भारत का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल काबुल में तालिबान के नेताओं से मिला था और बैठक में दोनों देशों के रिश्तों और आर्थिक संबंधों पर बातचीत हुई थी। तय हुआ था कि दोनों देश ईरान के सहयोग से चाबहार बंदरगाह के जरिये व्यापार करेंगे। इस बंदरगाह को पाकिस्तान की ग्वादर बंदरगाह के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि भारत ने अफगानिस्तान को अभी तक मान्यता नहीं दी है। वहां अल्पसंख्यक हिंदू व सिख गिनती के ही रह गए हैं, जो वहां से निकलने की फिराक में हैं। सीएए के अनुसार, वहां 20 लाख से ज्यादा हिंदू और सिख थे, जिनमें से अधिकतर भारत आ चुके हैं और उन्हें नागरिकता दी जा रही है। बहुत से खिलाड़ी, संगीतज्ञ व रंगमंच कलाकार तालिबान के अत्याचारों से तंग आकर देश से पलायन कर गए हैं। तालिबान पर किसी भी सूरत में भरोसा नहीं किया जा सकता। वे अपने वादों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिससे अफगान नागरिकों का जीना मुश्किल हो गया है। इसलिए जरूरी है कि अब अंतरराष्ट्रीय बिरादरी मानवीय आधार पर इसमें दखल दे और हालात को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए।

क्या राजनीति में एंट्री लेंगी कृति सेनन?

बोलीं- 'मैंने कभी इस'

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी जोर-शोर के साथ शुरू हो गई है. इस बार चुनावी मैदान में कई बॉलीवुड सितारे भी उतरे हैं. कंगना रनौत, अरुण गोविल के बाद बीते दिन यानी 28 मार्च को गोविंदा ने एक बार फिर राजनीति में एंट्री ली है. इन्हीं सब के बीच एक इवेंट के दौरान कृति सेनन से राजनीति पर उनकी राय और गोविंदा के नक्शेकदम फॉलो करने के बारे में पूछा गया.

क्या गोविंदा के नक्शेकदम पर चलेंगी कृति सेनन?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन हाल ही में टाइम्स समिट में शिरकत की थी. जहां एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या वह कभी गोविंदा के नक्शेकदम पर चलकर राजनीति का हिस्सा बनेंगी. न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने जवाब में कहा- 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं है, मैं कभी इस बारे में नहीं सोचती कि मैं यह करूंगी जब तक मेरे अंदर से आवाज नहीं आ जाए और मैं उसके बारे में बहुत पैशनेट ना होऊं.'

क्या गोविंदा के नक्शेकदम पर चलेंगी कृति सेनन?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन हाल ही में टाइम्स समिट में शिरकत की थी. जहां एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या वह कभी गोविंदा के नक्शेकदम पर चलकर राजनीति का हिस्सा बनेंगी. न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने जवाब में कहा- 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं है, मैं कभी इस बाक्या राजनीति में शामिल होंगी कृति सेनन? कृति सेनन ने साथ ही कहा- 'अगर किसी दिन मेरे दिल में आता है कि मैं कुछ और करना चाहती हूं, तो हो सकता है फिर करूं.' कृति ने कहा- 'इंसान को समय-समय पर गियर बदलते रहना चाहिए और खुद को वह काम करने के लिए चैलेंज देना चाहिए जो उसने पहले नहीं किया हो.' बता दें, लोकसभा चुनाव 2024 में कंगना रनौत अपने होमाउन मंडी से इलेक्शन लड़ने वाली हैं, कंगना को बीजेपी से टिकट मिला है. तो वहीं टीवी के राम यानी अरुण गोविल मेरठ से इलेक्शन में खड़े हैं. कंगना, अरुण और अब गोविंदा के चुनावी मैदान में उतरने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स और उनका पॉलिटिक्स कनेक्शन खूब चर्चाओं में बना हुआ है

जेल से बाहर आने के बाद एल्विस यादव पहुंचे सिद्धिविनायक मंदिर

मुंबई । यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव कुछ दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आए हैं। उन्हें मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा का आशीर्वाद लेते देखा गया। कुख्यात सांप जहर मामले में जमानत मिलने के बाद एल्विस सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। एल्विश की फैमिली फोटो सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है। एल्विश ने बुधवार देर रात अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फोटो पोस्ट की। फोटो में एल्विश सिद्धिविनायक के चरणों में आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। उनके साथ दोस्त राघव शर्मा और लवकेश कटारिया भी थे। दूसरी फोटो में एल्विश का पूरा परिवार नजर आ रहा है। इस फोटो में एल्विश के माता-पिता, दादी-दादी, बहन और जीजू सब साथ में नजर आ रहे हैं। एल्विश ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, माय बैकबोन। सांप के जहर मामले में नोएडा पुलिस ने 17 मार्च को एल्विश यादव को हिरासत में लिया था। एल्विश की संलिप्तता के सबूत मिलने का दावा करने के बाद पुलिस ने एल्विश को जेल भेजा। यह देखना है कि एल्विश का मामला क्या मोड़ लेगा।

शादी नहीं अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने की है सगाई, कपल ने फोटो शेयर की

मुंबई । एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी की सिद्धार्थ से शादी होने की अटकलें चल रही थी। इसी बीच अदिति ने खुद एक तस्वीर शेयर कर इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया। अदिति ने सिद्धार्थ के साथ एक तस्वीर शेयर कर खुशखबरी दी कि दोनों की शादी नहीं बल्कि सगाई हुई है। तेलंगाना के वनपर्थी जिले के श्रीरंगपुरम में बुधवार 27 मार्च को अदिति और सिद्धार्थ की सगाई हो गई है। अदिति ने अपनी इंगेजमेंट की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, उसने हां कह दी हैज इंगेजमेंट। इसके बाद दोनों की फोटो पर उनके फैंस ने लाइक्स और कमेंट की बौछार कर दी है। लोगों ने खूब बधाई दी है। अब फैंस उनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। अदिति और सिद्धार्थ ने 'महा समुद्रम' नाम की फिल्म में साथ काम किया था। उस फिल्म की शूटिंग के दौरान अदिति और सिद्धार्थ को एक-दूसरे से प्यार हो गया और वे रिलेशनशिप में थे। वे अक्सर कार्यक्रमों में एक साथ शामिल होते हैं। वह चंडीगढ़ में बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की शादी में भी शामिल हुए थे। वे शारवानंद की शादी में एक साथ शामिल हुए थे। इसके अलावा उन्हें अक्सर साथ घूमते हुए भी देखा जाता है।

फिल्म अभिनेता गोविंदा शिंदे की शिवसेना में शामिल, उत्तर पश्चिम मुंबई से लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई। लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है सियासत भी उसी हिसाब गरमा रही है। ताजा घटनाक्रम में फिल्म अभिनेता गोविंदा आज शिवसेना में शामिल हो गए। बालासाहब ठाकरे भवन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी ज्वॉइन किया। माना जा रहा है कि वे उत्तर पश्चिम मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं।इस अवसर पर गोविंदा ने कहा कि एकनाथ शिंदे जी का धन्यवाद, आज के दिन शिवसेना जॉइन करने का मतलब भगवान से मिली प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि 2004 से 2009 तक कांग्रेस पार्टी का सांसद रहा। अब चौदह बरस के बनवास के बाद शिवसेना में शामिल हुआ हूं। गोविंदा ने कहा मुंबई अब पहले सुंदर और विकसित दिखाई पड़ रही है। यहां विकास के काम हो रहे हैं।

फिल्म 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' ने अब तक कमाए 10.06 करोड़ रुपये

मुंबई । फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए छह दिन हो गए हैं। यह फिल्म दो भाषाओं हिंदी और मराठी में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में वीर सावरकर की भूमिका रणदीप हुडा ने निभाई है और उन्होंने ही फिल्म का निर्देशन भी किया है। इस फिल्म में अंकिता लोखंडे और अमित स्याल ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के छठे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैनिक के रिपोर्ट मुताबिक, फिल्म 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' ने शुक्रवार यानी पहले दिन 1.05 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन यानी रविवार को 2.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने सोमवार को चौथे दिन 2.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पांचवें दिन 1.10 करोड़ की कमाई की। छठे दिन फिल्म ने 86 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 10.06 करोड़ रुपये है। फिल्म 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' में वीर सावरकर की जीवन यात्रा को दिखाया गया है। इस फिल्म के लिए रणदीप हुडा ने काफी मेहनत की है। उन्होंने दो भाषाओं हिंदी और मराठी में फिल्में बनाई हैं।

कपिल शर्मा शो में ताने मारने पर अर्चना पूरन सिंह ने दिया रिएक्शन

मुंबई । अर्चना पूरन सिंह बॉलीवुड में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, लेकिन लंबे समय से वह 'द कपिल शर्मा शो' में जज हैं। दर्शकों को शो में उनका होना काफी पसंद आता है। कलाकालों के पंच पर अर्चना के हंसी के ठहाके काफी मशहूर हैं। कपिल शर्मा शो के होस्ट कपिल शर्मा अर्चना की खिंचाई करते रहते हैं, अर्चना भी उन्हें मजेदार जवाब देची हैं। लेकिन कई लोगों को कपिल का अर्चना पर जोक मारना पसंद नहीं आता। अब इसे लेकर शो की जज ने खुद बताया कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। जानकारी के लिए बता दें कि कुछ माह पहले अर्चना ने अपने पति परमीत संग एक पुरानी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। जिसपर एक यूजर ने अर्चना के लुक पर कमेंट किया। एक्ट्रेस भी पीछे नहीं हटीं और उन्होंने उस ट्रोलर को करारा जवाब दिया। अब ट्रोलिंग को लेकर अर्चना ने हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बात की है। इसी बीच उन्होंने कपिल की खिंचाई पर भी बात की। उन्होंने कहा,कॉमेडी बेमतलब होती है और इसमें हास्य को ध्यान में रखते हुए इसमें कुछ चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। इसका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं है। हम द कपिल शर्मा शो पर खुलेआम खुलासा कर रहे हैं कि यह एक कॉमेडी प्लेटफॉर्म है और यहां किसी भी बात को गंभीरता से नहीं लेना है। इसके अलावा उन्होंने कपिल की तारीफ भी की।उन्होंने कहा, उनका लहजा मजाक को थोड़ा लाइट बना देता है और उनमें जोश भी है। जब कपिल यह सब करता है तो यह ह्यूमर, प्यार और शरारत वाला होता है। उसको पता है कि वो पंगा ले रहा है, वो सॉरी भी बोलता है। जब मैं कहती हूं कि मैं आकर मारूंगी। अर्चना ने कहा कि किसी कॉमेडी शो को देखकर यह मत सोचिए कि वह कोई सामाजिक संदेश दे रहा है।दरअसल ट्रोलर ने अर्चना की तस्वीर पर कपिल का जिक्र करते हुए उनका मजाक उड़ाया था। उसने लिखा था,औरत कम मर्द ज्यादा लग रही हो, कपिल सही बोलता है बहुत टाइम लगा होगा आपको रूप परिवर्तन करने में।

'गेम चेंजर' बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार, फिल्म की रिलीज डेट का हुआ खुलासा

डेस्क। साउथ सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियों में हैं। फैंस 'आरआरआर' से पर्दे पर छा जाने वाले अभिनेता राम चरण का एक बार फिर धांसू अंदाज देखना चाहते हैं। अभिनेता ने अपने इस आगामी परियोजना के लिए निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म से पहला गाना 'जरागांडी' रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। वहीं अब फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।राम चरण के जन्मदिन समारोह के दौरान निर्माता दिल राजू ने फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा एलान किया। उन्होंने घोषणा की कि 'गेम चेंजर' पांच महीनों में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उन्होंने अपना पूरा विश्वास जताते हुए कहा कि फिल्मांकन मई के अंत तक समाप्त हो जाएगा। दर्शक फिल्म की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ऐसे में दिल राजू ने दर्शकों को आश्वासन दिया कि पांच में से तीन गाने निस्संदेह उन्हें सिनेमाघरों में आकर्षित करेंगे। दिल राजू ने बताया कि फिल्म में पांच गाने हैं, जिनमें से तीन भव्य स्तर पर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। राम चरण के जन्मदिन पर यानी बुधवार, 27 मई को फिल्म का पहला गाना 'जरागांडी' रिलीज हुआ। इसे लेकर निर्माता ने कहा कि अन्य गाने इससे भी ज्यादा धमाल मचाएंगे, जो बड़े स्क्रीन पर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 'गेम चेंजर' की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले इस फिल्म को दिल राजू ने निर्मित किया है। फिल्म में एस थमन द्वारा संगीत दिया गया है। शमीर मुहम्मद द्वारा संपादन और तिररू द्वारा छायांकन किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का बजट 300-400 करोड़ रुपये के बीच है। रिलीज डेट के बारे में आधिकारिक घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। पहले खबर थी कि यह फिल्म सितंबर में दशहरे के दौरान सिनेमाघरों में दस्तक देगी, वहीं अब दिल राजू के एलान ने इसमें नया अपडेट जोड़ दिया है। वहीं बात करें फिल्म की तो शंकर द्वारा लिखित और निर्देशित 'गेम चेंजर' एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें राम चरण दो भूमिकाओं में हैं।

राजा बाबू की तरह हैं राहुल गांधी, उनका सॉफ्टवेयर अपग्रेड नहीं हो सकताः कंगना रनौत

नई दिल्ली । फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में वंशवाद है और वहां जो भी काम होता है, वह सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी को खुश करने के लिए होता है। एक कार्यक्रम बोलते हुए कंगना ने कहा, राहुल गांधी फिल्म इंडस्ट्री के राजा बाबू की तरह हैं. कांग्रेस में सभी नेता इसी में लगे रहते हैं कि कहीं राहुल बाबा नाराज न हो जाएं. ऐसा लगता है कि पार्टी उन्हें पढ़ने के लिए एक चिट देती है और वे उस चिट को पढ़ देते हैं। 'उनका सॉफ्टवेयर डाउनलोड नहीं हो सकता' कंगना ने कहा, हम जो चाहते हैं कि वह जैसा बने. वह उस तरह से नहीं बन सकते, क्योंकि यह इंसान के बनाने वाली चीज नहीं है. हर किसी का सॉफ्टवेयर ऊपर से डाउनलोड होकर आता है. उनका सॉफ्टवेयर डाउनलोड नहीं हो सकता. क्योंकि भगवान ने उन्हें ऐसा बनाकर भेजा है. उन्हें किस-किस लेवल पर अपग्रेड किया जाएगा। 'राहुल गांधी कहीं से कहीं निकल जाते हैं' एक्ट्रेस ने कहा, राहुल गांधी का कोई भी सेंटेंस पूरा नहीं होता. वह कुछ बात करते हैं और फिर कहीं और निकल जाते हैं. वह किसानों की बात करते-करते चांद पर निकल जाते हैं. उन्होंने कहा कि यहां लोकतंत्र है और यहां सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। 'कांग्रेस में सबसे ज्यादा भाई-भतीजावाद और परिवारवाद' इतना ही नहीं प्रोग्राम में कंगना ने भाई-भतीजावाद और परिवारवाद पर बात की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद काफी ज्यादा है. इसलिए मुझे इस पार्टी से बहुत ज्यादा घृणा है. मैं इसका शिकार रही हूं और मैंने इस पर हमेशा खुलकर बोला है।

दशक से अधिक समय से नोहटा पोल फैक्टरी बंद फेक्ट्री पर कब्जा

लोहा हो रहा चोरी अस्तित्व खतरे में

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जबेरा विधानसभा में लोगों को रोजगार देने वाली सन 1978 में पोल फैक्टरी की शुरुआत, 25 साल तक चली इस फैक्टरी लोगों को रोजगार भी मिला लेकिन यह फेक्ट्री पहले लीज पर हुई और विद्युत विभाग के हैंड ओवर हुई और फिर बंद हुई तो दोबारा चालू नहीं हुई स्थानीय लोग फेक्ट्री चालू होने की आस लगाए बैठे कि यह फेक्ट्री चालू होगी और लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे ऐसा होता फिर हाल तो नहीं दिख रहा है फैक्ट्री पर जहां एक और कब्जा हो रहा है वहीं फैक्ट्री के अंदर रखा लोहा टनों की संख्या में चोरी हो गया है जिसकी और न तो विद्युत विभाग का कोई ध्यान और न ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि फैक्ट्री को चालू करवाने की दिशा कोई पहल कर रहे है हालत यह है कि पोल फैक्टरी

रख रखाव के अभाव में असामाजिक तत्वों का डेरा है सेफ्टी ग्रिल, गार्डर, सरिया, फ्रेम सहित पोल के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली कीमती सामग्री चोरी हो गई और जो शेष है वह भी ध्यान नहीं दिया गया चोरों की जद में है नगर के बाहरी हिस्से में स्तिथ पोल फैक्टरी आसामाजिक तत्वों का अड्डा बनी हुई है पोल फेक्ट्री की निगरानी सुरक्षा अवैध कब्जा हटवाने को लेकर जहां विद्युत विभाग के जेई नायब तहसीलदार को पत्र लिख चुके है नायब तहसीलदार नोहटा अपने अपने तर्क देकर पोल फैक्टरी वन विभाग एवं अंदर आबादी के अधिकृत है। हमारे पास उसका कोई रिकॉर्ड नहीं होता पल्ला झाड़ चुके है

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बड़ी बाघों की संख्या

उमरिया से एक नर एवं एक मादा बाघ को परिक्षेत्र में छोड़ा गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर के उप संचालक डॉ. ए.ए.अंसारी ने बताया बाघों से गुलजार संरक्षित क्षेत्र नौरादेही अभयारण्य, सागर को मध्यप्रदेश शासन द्वारा सितम्बर 2023 में रानी दुर्गावती अभयारण्य, दमोह के साथ संलग्न कर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, सागर घोषित किया गया है। जिसके अंदर बसे ग्रामों का विस्थापन कर बाघों के रहवास बनाने हेतु कार्य प्रचलन में है। जिसके तारतम्य में 27 मार्च 2024 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया से एक नर एवं एक मादा बाघ को परिक्षेत्र डोंगरगांव अंतर्गत विस्थापित ग्राम महका क्षेत्र में व्यारमा नदी के किनारे सफलतापूर्वक खुले वनक्षेत्र में छोडा गया है। दोनो बाघों पर रेडियो कॉलर लगे हुए है तथा सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। छोड़े गए मादा बाघ को ङ्घ्ष्ठ ह्रश्व. ह्-4 तथा नर बाघ को ङ्घ्ष्ठ ह्रश्व. ह्-5 दिया गया है।

बाघों को छोड़े जाने के संपूर्ण अभियान के दौरान बांधवगढ़ के उप संचालक पी.के. वर्मा, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, सागर के उप संचालक डॉ. ए.ए.अंसारी, संजय टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक अभय

सेंगर, एनजीओ डब्ल्यूसीटी की ओर से डॉ. प्रशांत देशमुख, उप वनमंडल अधिकारी ताला फतेह सिंह निनामा, उप वनमंडल अधिकारी बरमान रेखा पटेल, गेम परिक्षेत्र अधिकारी सर्रा, गेम परिक्षेत्र अधिकारी नौरादेही, गेम परिक्षेत्र अधिकारी डोंगरगांव, परिक्षेत्र अधिकारी तारादेही, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर का वन अमला तथा वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, सागर एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया का रेस्क्यू दल उपस्थित रहा। जिनके विशेष प्रयास से बाघों को सफलतापूर्वक एवं सुरक्षित रूप से वनक्षेत्र में छोड़ा गया है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने नगर का भ्रमण कर कचरा स्पॉट किये चिन्हित

प्रतिदिन सीएमओ नगर पालिका स्वयं और हफ्ते में दो दिन स्थानीय एसडीएम करेंगे मानीटरिंग

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, स्वच्छता हमारी आदतों में आना चाहिए, यह एक ऐसी चीज है इसमें समाज का सक्रिय सहयोग जरूरी है। मुझे पूरा विश्वास है सब मिलकर दमोह को अत्यंत स्वच्छ और क्लीन शहर बनाने का जो हमारा स्वप्न है, उसको अच्छे तरीके से पूरा कर पाएंगे, मैं अपेक्षा करता हूं कि सभी का सहयोग प्रशासन को मिलेगा। इस आशय के विचार कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज दमोह शहर में सफाई अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुये व्यक्त किये। इस मौके पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुषमा धाकड़ के साथ नगर पालिका का अमला मौजूद था।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने नगर के जनमानस से आग्रह करते हुए कहा नगरपालिका के द्वारा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है, नगर के ऐसे 20 स्थल है यदि यहां पर कचरा ना फेक, यदि कचरा डोर टू डोर कलेक्शन वाली गाड़ियों में डालेंगे तो ऐसी स्थिति में मुख्य मार्ग पर कचरा कम से कम होगा, जिससे शहर की सफाई बनी रहेगी। उन्होंने कहा नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए और नगर स्वच्छ दिखे, सुंदर दिखे इस दृष्टि से इन मार्गो पर किसी प्रकार का कचरा ना फेकें। आप सभी के सहयोग की मैं अपेक्षा करता हूं कि

आपका सहयोग मुझे मिलेगा, प्रशासन को मिलेगा।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा सुबह दमोह शहर के भ्रमण दौरान नगर पालिका अधिकारी और उनका पूरा अमला भी साथ में था। शहर में ऐसे 20 स्पॉटों को चिन्हांकित किया गया हैं, जहां पर कोई सुबह निकलता है तो बड़े पैमाने पर सड़क पर या सार्वजनिक स्थल पर कचरा फैला हुआ मिलता है, ऐसे निर्देश दिए हैं कि नगर पालिका डेली बेसिस पर सुबह 07 बजे तक सब जगह सफाई व्यवस्था चलती है कचरा डंपरों या गाड़ियों के माध्यम से किसी भी स्थिति में उठा करके क्लीन किया जाये।

कलेक्टर ने कहा यह 20 स्पॉट है जो की बिल्कुल मुख्य मार्गों पर स्थित है और यहां पर बहुत ज्यादा गंदगी रहती है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है और शहर की छवि भी खराब होती है, ऐसी जगह से डेली बेसिस पर सुबह 07 तक कचरा डंपरों या गाड़ियों के माध्यम से किसी भी स्थिति में उठा करके क्लीन किया जाए और प्रतिदिन सीएमओ नगर पालिका स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करेंगे और हफ्ते में दो दिन स्थानीय एसडीएम यहां की मॉनिटरिंग करेंगे।

उन्होंने कहा नगर के बड़े स्पॉट्स है यहां पर गंदगी को लेकर के किसी को भी किसी प्रकार की शिकायत नहीं रहेगी और इन जगहों पर लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। हमारे शहर में स्वच्छता है हम पूरी तरह से बरकरार रख पायेंगे।

अपने नगर भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने बी.एस.एन.एल. कार्यालय के पास, कोतवाली चौराहे के पास, टंकी (हौदी) में, मानस भवन के पास, मांगज स्कूल के पास, एवरेस्ट लॉज के पास, केप्टन लॉज के पास, इन्द्रपैलेस के सामने, खण्डूजा काम्प्लेक्स (स्टेशन चौराहा), अग्रवाल स्कूल के पास, नीलकमल गार्डन के पास, चरहाई वाइन शॉप के पास, पलंदी चौराहा ओवरब्रिज के पास, नया बाजार नं. 4, धगट चौराहे वाली रोड के पास, मिशन स्कूल के पास धर्मकांटा, चौपाटी के सामने (हरिजन थाने के बाजू), हॉकर्स जोन के पास, रोनी बाबा के घर के पास, पुराना थाना के पास, बड़े पुल के पास एवं गाड़ी खाना आदि स्थलों का जायजा लिया।

दमोह में नियुक्त किया गया नोडल अधिकारी

ग्रीष्मकाल के दौरान ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, दमोह जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं समन्वय हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अर्पित वर्मा एवं नगरीय क्षेत्र के लिए शहरी विकास अभिकरण परियोजना अधिकारी कपिल खरे को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण और आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी दिये गये दिशा निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा 30 जून 2024 तक प्रभावी होगा।

लोक सेवा जिला प्रबंधक चक्रेश पटेल दोनों अधिकारियों को प्रतिदिन दमोह हेल्पलाईन पर दर्ज होने वाली पेयजल समस्या अथवा हेण्डपंप सुधार संबंधी शिकायतों को प्रेषित करेंगे। दोनों अधिकारियों का यह दायित्व होगा कि 24 घंटे में पेयजल का निराकरण सर्व संबंधितों के माध्यम से सुनिश्चित करायेंगे ।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जिन स्थानीय निकायों में 2 या 2 से अधिक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की स्थिति निर्मित हो रही है, वहां की समस्या को समझकर अंर्तविभागीय समन्वय से रणनीति तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय व्यवस्था में तेजी से सुधार आये। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा कर बिगड़े हुये किन्तु सुधार योग्य सभी हेण्डपंपों का शतप्रतिशत सुधार आगामी 15 दिनों में कराया जाना सुनिश्चित करायें ।

उन्होंने कहा जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से संचालित हो रही नलजल योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पानी पहुंचाने में यदि किसी क्षेत्र में कठिनाई आ रही हो तो दोनों विभागों के अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर समस्याओं का समाधान निकलवाया जाये । नगरीय क्षेत्रों में भी सभी नगरीय निकायों में जल प्रदाय की स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग संबंधित नोडल अधिकारी द्वारा की जायेगी एवं इस संबंध में प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में निराकरण कराया जायेगा ।

कलेक्टर ने कहा इस कार्य में दोनों अधिकारियों को सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं समस्त राजस्व अधिकारी पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे और क्षेत्र की स्थितियों की जानकारी से अवगत कराते रहेंगे । दोनों अधिकारीगण अन्य स्त्रोतों से जल संकट के संबंध में प्राप्त होने वाली जानकारी का भी नियमित रूप से संज्ञान लेते रहेगें और जिन प्रकरणों में तत्काल ऐसा करना आवश्यक और उचित हो, त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

पहले आम चुनाव के 25 में से 12 राज्य जो अब नहीं हैं

गणतांत्रिक भारत का अट्ठारहवां आम चुनाव देश के 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में हो रहा है। जिनमें 29 पूर्ण राज्य और शेष केन्द्र शासित प्रदेश है। लेकिन कभी भारत का प्रशासनिक ढांचा थोड़ा सा भिन्न था। इसमें 10 पार्ट-ए, 8 पार्ट-बी, 9 पार्ट-सी और एक पार्ट-डी राज्य थे। इनमें से 12 राज्य अब वजूद में नहीं हैं। अजमेर राज्य कभी भारत का एक राज्य था जिसकी राजधानी अजमेर शहर थी। इसकी स्थापना 7वीं शताब्दी में हुई थी और इस पर चैहान वंश का शासन था। बाद में यह मुगल साम्राज्य और फिर मराठों के नियंत्रण में आ गया। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, अजमेर राज्य भारत के संघ में शामिल हो गया। 1950 में यह राजस्थान राज्य का हिस्सा बन गया। यह राज्य 1951-52 के आम चुनाव में शामिल रहा।भोपाल जो मध्य प्रदेश बना स्वतंत्रता से पूर्व भोपाल राज्य भारत में एक रियासत थी जो 1723 से 1949 तक अस्तित्व में थी, जिसकी राजधानी भोपाल शहर थी। इसकी स्थापना एक अफगान कमांडर दोस्त मोहम्मद खान ने की थी और इस पर उनके वंश के वंशजों, भोपाल के नवाबों का शासन था। 1947 में, भारत के विभाजन के दौरान, रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था। उस समय भोपाल के नवाब हमीदुल्ला खान ने भारत में शामिल होने का फैसला किया 1949 में, भोपाल राज्य का भारत संघ में विलय कर दिया गया और 1956 में भोपाल नवगठित राज्य मध्य प्रदेश का हिस्सा बन गया। इस राज्य में भी देश के पहले आम चुनाव हुये थे। 1951 तक, भोपाल राज्य में भोपाल शहर, बैरसिया, सीहोर, रायसेन, होशंगाबाद, इटारसी, नरसिंहगढ़, राजगढ़, विदिशा एवं सिरोंज आदि क्षेत्र थे।

बाम्बे के हिस्से विभिन्न राज्यों में मिले बॉम्बे राज्य भारत का एक राज्य था, जो 1950 से 1960 तक अस्तित्व में रहा। इसका निर्माण बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्रों को पश्चिमी क्षेत्र की रियासतों के साथ विलय करके किया गया था। सन् 1957 तक बंबई राज्य कई परिवर्तनों से गुजरा। बॉम्बे राज्य का गठन 1 मई 1950 को राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के तहत किया गया था, जिसने राज्यों को भाषाई आधार पर पुनर्गठित किया था। इस राज्य में पूर्व बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्र शामिल थे, जिसमें वर्तमान महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के कुछ हिस्से शामिल थे।

कुर्ग भी राज्य था जो अब कर्नाटक का जिला है इतिहासकारों के अलावा कुर्ग राज्य शायद ही भारतवासियों के मस्तिष्क में सलामत होगा। यह राज्य हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों की तरह भारत का एक पार्ट-सी राज्य था जो 1950 से 1956 तक अस्तित्व में था। जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ, तो अधिकांश मौजूदा प्रांतों को राज्यों में पुनर्गठित किया गया तो कूर्ग प्रांत कूर्ग राज्य बन गया। कूर्ग राज्य पर एक मुख्य आयुक्त का शासन था और मरकारा इसकी राजधानी थी। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अनुसार 1 नवंबर 1956 को कूर्ग राज्य को समाप्त कर दिया गया और इसके क्षेत्र को मैसूर राज्य (बाद में 1973 में इसका नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया) में मिला दिया गया। वर्तमान में, कूर्ग कर्नाटक राज्य का एक जिला है हैदराबाद जो कभी पार्ट-बी राज्य था हैदराबाद राज्य भी भारत में एक रियासत थी जो 1724 से 1948 तक अस्तित्व में थी। इस पर निजामों का शासन था। यह भारत की सबसे बड़ी रियासत थी और अपनी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के लिए जानी जाती थी। क्षेत्रफल के मामले में भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। इसमें लगभग 214,190 वर्ग किलोमीटर (82,865 वर्ग मील) के क्षेत्र था।

यह भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित था। सन् 1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ तो हैदराबाद राज्य के तेलुगु भाषी हिस्सों को आंध्र प्रदेश बनाने के लिए आंध्र राज्य में मिला दिया गया, जबकि मराठी भाषी क्षेत्रों को बॉम्बे राज्य में मिला दिया गया, और कन्नड़ भाषी क्षेत्र मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) का हिस्सा बन गए। राज्य के तौर पर यहां 1951 में अंतिम आम चुनाव हुआ था।

पन्ना के पवई पुलिस को मिली बड़ी सफलता

48 घंटे के अंदर पकड़ा गया हत्या का आरोपी

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सुनादर मैं 25 मार्च को प्रकाश आदिवासी की एक कार्यक्रम के दौरान कुल्हाड़ी मारकर जगन्य हत्या कर दी गई थी हत्या कर आरोपी फरार हो गया मामले को गंभीरता से लेते हुए पवई पुलिस द्वारा टीमों का गठन किया गया तथा 48 घंटे के अंदर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया गया एसडीओपी पवई सौरभ रत्नाकर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम सोनादर में बुंदेली नृत्य फाग का कार्यक्रम चल रहा था तभी गांव का सिपाही लाल आदिवासी कुल्हाड़ी लेकर आया तथा प्रकाश आदिवासी

आदिवासी के ऊपर हमला कर दिया जिससे की घटनास्थल पर मौत हो गई पुलिस अधीक्षक पन्ना साइन कृष्ण थोता के निर्देशन एवं एसडीओपी पवई सौरव रत्नाकर के मार्गदर्शन वह थाना प्रभारी पवई त्रिवेंद्र त्रिवेदी के नेतृत्व में आरोपी की घर पकड़ मैं सफलता मिली

चिकित्सकों के प्रति सम्मान का भाव कायम रहे

रोगियों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिले

उज्जैन संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज कार्यकारिणी की बैठक ली

रतलाम 28 मार्च 2024/ उज्जैन संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता एक दिवसीय भ्रमण पर रतलाम आए। स्थानीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कॉलेज पहुंचे। कॉलेज की कार्यकारिणी की बैठक ली। कलेक्टर श्री राजेश बाथम, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. मंडलोई, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज की समस्त व्यवस्थाएं सुचारू रहे, अस्पताल की सेवाओं में कोई कमी नहीं आए। आमजन तथा समाज में चिकित्सकों के प्रति जो सम्मान भाव है वह कायम रहे, ऐसा प्रयास मेडिकल कॉलेज के सभी चिकित्सा के सदैव करते रहें चिकित्सकों का जॉब समाजसेवा का है, जनता को सबसे ज्यादा आपसे अपेक्षा रहती है। अस्पताल में जनता को समय पर सेवा देना सुनिश्चित करें। संभाग आयुक्त ने बैठक में कहा कि मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय इस क्षेत्र के लिए वरदान है, यहां एक बड़ा क्षेत्र ट्राइबल का है। गरीब ट्राइबल के लिए मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय एक बहुत बड़ी सुविधा है। हमें चाहिए कि चिकित्सालय में गुणवत्ता के साथ समय पर सेवाएं दी जाएं। संभाग आयुक्त ने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए उनसे संपर्क किया जा सकता है। मेडिकल कॉलेज की समस्याओं के उच्च स्तर पर समाधान हेतु उनके द्वारा भोपाल स्तर से समन्वय में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण दौरे पर आए उज्जैन संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज के अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान कई कमियां पाई गई जिस पर सख्त नाराजगी व्यक्त की गई। संभाग आयुक्त ने अस्पताल की ओपीडी, दवाई वितरण कक्ष, मेडिसिन विभाग, रोगी भर्ती वार्ड, पैथोलॉजी लैबोरेट्री, ब्लड सैंपल कक्ष, डायलिसिस कक्ष इत्यादि का निरीक्षण किया। डायलिसिस तथा एक्स-रे रजिस्टर का निरीक्षण किया। डायलिसिस की संख्या कम पाई जाने पर सख्त नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुसार रोगियों को डायलिसिस सुविधा का लाभ दिया जाना चाहिए जो कि अस्पताल में कम संख्या में परिलक्षित हो रहा है। इसी प्रकार भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर फर्श उखड़ा पाए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की। ब्लड कलेक्शन सेंटर का निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि अधिकाधिक डोनेशन को प्रोत्साहित करते हुए ब्लड कलेक्शन की मात्रा में वृद्धि की जाए। इस दौरान संभाग आयुक्त ने शासन की सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को अधिकाधिक संख्या में दिए जाने के निर्देश दिए। मतगणना कक्षों का निरीक्षण संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने रतलाम में स्थानीय शासकीय आर्ट एवं साइंस कॉलेज पहुंचकर लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत बनाए गए मतगणना परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षो का निरीक्षण करते हुए निर्विघ्न, सुचारू, शांतिपूर्वक मतगणना के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री राजेश बाथम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. मंडलोई, निगम आयुक्त श्री हिमांशु भट्ट, एसडीएम श्री संजीव पांडे आदि उपस्थित थे। कलेक्ट्रेट परिसर तथा निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने कलेक्ट्रेट परिसर तथा निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण भी किया। संभाग आयुक्त ने कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं, एसडीएम कार्यालय, महिला बाल विकास विभाग आदि कार्यालयो में पहुंचकर कार्यवाहियों का जायजा लिया, कर्मचारियों से चर्चा की। परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण कार्यालय में पहुंचकर लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत सी-विजील एप पर शिकायतों के निराकरण की स्थिति देखी। निर्वाचन कार्यालय के भी विभिन्न कक्षों का भ्रमण करते हुए सुचारू प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित

रतलाम 28 मार्च 2024/ लोकसभा निर्वाचन-2024 में प्रदेश के विभिन्न लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चार चरणों मतदान होगा। राज्य शासन ने संबंधित क्षेत्रों में मतदान के दिन निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 25 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश घोषित किया हैं। प्रथम चरण में 19 अप्रैल (शुक्रवार) द्वितीय चरण में 26 अप्रैल (शुक्रवार) तृतीय चरण में 7 मई (मंगलवार) एवं चतुर्थ चरण में 13 मई (सोमवार) को होने वाले निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए उक्त तिथियों में सामान्य अवकाश घोषित किया है।

डेढ़ करोड़ रूपये नगदी सहित 31 करोड़ 92 लाख से अधिक मूल्य की सामग्रियाँ जब्त

नगद राशि, अवैध शराब, मादक पदार्थ, अमूल्य धातु की हुई जब्ती

नीमच मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है,कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचार संहिता 16 मार्च, 2024 से प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि 16 मार्च से 26 मार्च तक 1 करोड़ 58 लाख 76 हजार 450 रूपये नगद राशि सहित 31 करोड़ 92 लाख 54 हजार 401 पये मूल्य की सामग्रियाँ जब्त की गयी हैं। इस दौरान 6 लाख 58 हजार 157 लीटर मदिरा भी जब्त की गयी है, इसका मूल्य 10 करोड़ 56 लाख 21 हजार 800 रूपये है इसी तरह 4 करोड़ 53 लाख 33 हजार 8 रूपये मूल्य के 8 हजार 696 किलोग्राम ड्रग्स और 3 करोड़ 32 लाख 52 हजार 934 रूपयेम ूल्य की 152 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएँ जब्त की गई हैं। साथ ही 11 करोड़ 91 लाख 70 हजार 209 रूपये मूल्य की अन्य सामग्रियाँ (रेडीमेड, गारमेंट्स आदि) जब्त की गई हैं।

लोकसभा चुनाव के पहले वर्चुअल बॉर्डर मीटिंग अधिकारियों के साथ हुआ संवाद,

जानकारियां आदान-प्रदान की

नीमच 28 मार्च 2024, लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। बुधवार को जिला प्रशासन की राजस्थान की सीमा से जुड़े अधिकारियों के साथ वर्चुअल बॉर्डर मीटिंग हुई। मीटिंग में नीमच के अलावा प्रदेश के अन्य जिलो के कलेक्टर व एस.पी. के साथ ही राजस्व, भीलवाडा जिले के कलेक्टर श्री नमीत मेहता, एस.पी.श्री राजन दुश्यंत भी जुड़े। चुनावी प्रशासनिक तैयारियां, प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाहियों के दृष्टिगत नीमच कलेक्टर एवं जिला नर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल की वर्चुअल बैठक राज्य के सीमावर्ती जिला राजस्थान के भीलवाडा, जिले के कलेक्टर एवं एसपी के साथ हुई। बैठक में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में अपर कलेक्टर सुश्री लक्ष्मी गामड़ एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलों के संबंध में सामान्य जानकारी का आदान-प्रदान हुआ। सीमावर्ती मतदान केन्द्रों के लोकेशन अनुसार जानकारियां दी। सीमा से लगे ग्रामों की सूची एक-दूसरे को दी गई। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष लोकसभा चुनाव को लेकर असामाजिक तत्वों तथा अवैध शराब के नियंत्रण पर भी चर्चा की। राजस्थान, मध्यप्रदेश में निवास करने वाले फरारी स्थाई वारंटियों की सूची, बॉर्डर नाका स्थलों की सूची, अवैध शराब बनाने तथा विक्रय, बॉर्डर नाका स्थलों की सूची, निर्वाचन के दौरान वॉयरलैस कम्युनिकेशन, दोनों सीमाओं से लगे जिलों के थानों के प्रभारी, पुलिस अधिकारियों की सूचियां का आदान-प्र ान किया। जिला बदर आरोपियों, चुनाव प्रभावित कर सकने वाले व्यक्तियों, सांप्रदायिक तनाव की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों पर भी चर्चा कर कार्य योजना बनाई। बैठक में दोनो जिले के अधिकारियों ने आपसी समन्वय से स्वतंत्रत, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने में एक दूसरे का सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मानव श्रृंखला बनाई

नीमच , शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,जावद में लोक सभा निर्वाचन 2024 की स्विप गतिविधि के अंतर्गत 28 मार्च 2024 को मतदाता जागरूकता के लिए सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ द्वारा संस्था परिसर में भारत के मानचित्र पर मानव श्रृंखला निर्मित की गई। तत्पश्रात रैली निकालकर संस्था आईटीआई से रूपारेल बस्ती होते हुए पेट्रोल पंप चोराहे पर मानव श्रृंखला निर्मित की और मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही संस्था में निर्मित सेल्फी पॉइन्ट पर सभी ने फोटो लेकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्वीप गतिविधियां आयोजित

नीमच 28 मार्च 2024, लोकसभा निर्वाचन 2024 में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के सम्बंध में आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) जनपद पंचायत मनासा के ग्राम कुण्डला में विकासखण्ड प्रभारी श्री नरेंद्र परमार , सहायक विकासखण्ड प्रबंधक श्री कमल भूरिया, श्री महेंद्र अलावा, श्री दीपक डावर एवं ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव , आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन द्वारा स्व-सहायता समूह की दीदीयों को, ग्राम के लोगो को जागरूक करने हेतु विभिन्न गतिविधियों में मेंहदी लगाकर व रंगोली बनाकर जागरूक किया गया। सभी ग्रामीणजनों को मतदान करने की शपथ दिलवाई गई एवं वरिष्ठ एवं युवा मतदाताओं का स्वागत किया गया। ग्राम पंचायत कुंडला की चौपाल पर मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजित किया गया।

चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी 26 मार्च 2024 से प्रारंभ

नीमच 28 मार्च 2024, चना, मसूर, सरसों फसलों के उपार्जन हेतु जिले में 10 खरीदी केंद्रो की स्थापना की गई है। खरीदी कार्य 26 मार्च 2024 से प्रारंभ होकर 31 अप्रेल 2024 तक किया जाएगा। खरीदी केंद्र पर खरीदी का कार्य सप्ताह में 05 दिवस सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 8.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक किया जाएगा।

नवरत्न सागर जी के 81 जन्म दिवस पर गोसेवको एवं समाज सेवियों का किया सम्मान

विद्यालय के छोटे बच्चों ने किया सामूहिक मंत्र जाप

झाबुआ । मानव भूषण, तप सम्राट एवं जन-जन की आस्था के केंद्र,जिन शासन के प्रभावक आचार्य श्री नवरत्न सागर जी म.सा.के 81वें अवतरण दिवस पर फुलमाल स्थित विहार धाम के श्री मधुकर बाल विद्या मंदिर में सामूहिक मंत्र जाप एवं सम्मान समारोह के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया । उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रबंधक राजेंद्र आर. भंडारी ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी परम पूज्य आचार्य भगवंत नवरत्न सागर जी महाराज साहब का 81 वे अवतरण दिवस के अवसर पर प्रातः 11.00 बजे बिहार धाम स्थित मधुकर बाल विद्या मंदिर एवं ग्राम के बच्चों द्वारा सामूहिक मंत्र जाप के साथ मनाया। बच्चों ने ओम मंत्र के साथ श्री नवकार महामंत्र एवं ओम् श्री गुरुवे नमः का भी करीब आधे घंटे तक सामूहिक मंत्र जाप कर आचार्य श्री को भावांजलि अर्पित की । जन्म दिवस समारोह में अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एमएल फुलपगारे,,डॉ पुष्पेंद्र नायक ट्रस्ट के सचिव सुनील संघवी की गरिमय में उपस्थिति में सर्वप्रथम आचार्यश्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पुष्पमाला अर्पित की साथ ही उपस्थित सभी अतिथियों ने गुरु पद की पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । गोसेवको एवं समाज सेवायों का किया किया सम्मान इस अवसर पर कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे ट्रस्ट अध्यक्ष यशवंत भंडारी ने कहा कि पूज्य आचार्य श्रीनवरत्न सागरजी एक महान तपस्वी साधक के साथ जीव दया एवं गौ-शालाओं को संरक्षण देने में सदा अग्रणीय रहे । आपने अपने सम्पूर्ण संयम जीवन काल में कई गोशालाओं को प्रारम्भ करने की प्रेरणा अपने अनुयायियों को दी। उनकी इसी भावनाओं का सम्मान करते हुए आपके जन्मदिन पर पिछले 12 वर्षों से अधिक समय तक श्री सद्गुरु गौशाला झाबुआ में निःशुल्क एवं निःस्वार्थ सेवा देने वाले गोसेवक रामूभाई डामोर करडावद एवं दिलीपभाई डामोर फुलमाल का सम्मान कर उनकी सेवाओ की अनुमोदना की । साथ ही अखिल सेवा समाज दल के नव मनोनीत पदाधिकारी श्रीमती शांति वसुनिया,श्रीमती चेतना चैहान श्रीमती अंजलि मोहनिया, फतेहलाल वसुनिया का भी स्वागत किया गया । प्रतिभाशाली बच्चों का भी किया सम्मान इस अवसर पर अंकुरम इंटर नेशनल स्कूल के सर्वश्रेष्ठ छात्र अर्हम अर्पित संघवी एवं क्लास 2 में 97.60 फीसदी अंक प्राप्त करने वाले जीनांश निखिल भंडारी का भी अतिथियों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें प्रोत्साहित किया गया । गुरु जयंती के अवसर पर निखिल भंडारी एवं आनंद अर्पित चैधरी की और से उपस्थित सभी बच्चों को मोतीचूर के लड्डू एवं नमकीन की प्रभावना भी वितरित की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन जयेंन्द्र वैरागी ने किया। आभार शिक्षिका श्रीमती सुनीता डावर ने माना । इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ दिताभाई डामोर, कलसिंग डामोर के साथ विद्यालय के पालकगण एवं स्कूल परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे ।

संभागायुक्त श्री सिंह ने किया स्ट्रांग रूम व डाइट का अवलोकन

धार / संभागायुक्त दीपक सिंह, डीआईजी निमिष अग्रवाल ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम का अवलोकन किया और यहां के कमरों और व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद वे डाइट (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) पहुंचे और वहां चल रहे पटवारी प्रशिक्षण में पहुंचे। उन्होंने यहां स्थापित डिजिटल लर्निंग स्टूडियो का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मनोज सिंह सहित अन्य अधिकारी साथ थे।

अवैध मदिरा केंद्रों पर कार्यवाही कर 6 प्रकरण दर्ज किये

धार, 28 मार्च 2024/ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार धार जिले में आबकारी विभाग के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन-2024 को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी वृत्त कुक्षी में अवैध मदिरा केंद्रों पर कार्यवाही कर 6 प्रकरण दर्ज किये गए। सहायक जिला आबकारी अधिकारी आर.एस. राय, एन आर अलावा के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक प्रीति नरगावे द्वारा दल क्रमांक 3 टीम के साथ अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में वृत कुक्षी के शीतलामता फल्या, भीलसुर, निसरपुर, कुक्षी क्षेत्र में दबिश देकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 5 प्रकरण एवं 34 (2) के तहत 1 प्रकरण कायम किया गया। जिसमे 160 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की एवं 3500 किलो ग्राम महुआ लाहन जप्त कर मौके पर नष्ट किया। यह कार्यवाही सहायक ज़िला आबकारी अधिकारी श्री राय, श्री अलावा, प्रीति नरगावे, नितीन आशापुरे, प्रज्ञा मालवीय, एकता सोनकर, सृष्टी गिरवाल एवं आबकारी मुख्य आरक्षक बलवीर सिंह राठौर, रतना अम्लीयार, जोत मावी, संजय मनसारे द्वारा की गई।

सीपीएस पध्दति से किसानो का शोषण होता है, इसे खत्म कर किसानो को राहत देगे- श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीपसिंह गुर्जर का मंदसौर आगमन हुआ, बाबा पशुपतिनाथजी के किये दर्शन, कांग्रेसजनो ने दिखाया अपार उत्साह, जगह-जगह हुआ स्वागत

मंदसौर। नीमच-मंदसौर-जावरा संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंह गुर्जर का गुरूवार को मंदसौर आगमन हुआ। संसदीय क्षेत्र में आगमन पर कचनारा से लेकर मंदसौर तक जगह-जगह कांग्रेसजनो ने उत्साह के साथ श्री गुर्जर की आत्मीय भाव से आगवानी कर मंदसौर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में विजय श्री का संकल्प लिया। बाबा श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन उपरांत कांग्रेस प्रत्याशी श्री गुर्जर ने वाहनो का काफिला छोडकर कांग्रेसजनो के शिवना पुलिया, प्रतापगढ पुलिया होते हुये, मंडी गेट, सदर बाजार, कालिदास मार्ग, भारत माता चैराहा, नेहरू बस स्टेण्ड होते हुये गांधी चैराहे पर कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंच हजारो कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे। कार्यकर्ता सम्मेलन के उपरांत श्री दिलीपसिंह गुर्जर ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन की उपस्थिति में मंदसौर जिला कांग्रेस कार्यालय पर लोकसभा चुनाव कार्यालय का शुभारंभ वरिष्ठ नेता श्री जगन्नाथ कुमावत के साथ फिता काटकर किया।

गांधी चैराहे पर कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये कांग्रेस प्रत्याशी श्री दिलीपसिंह गुर्जर ने कहा कि नागदा एवं खाचरोद के कार्यकर्ताओ के साथ ही मंदसौर के अनेक कांग्रेस साथियो को यह मालुम है कि मेरे नागदा के घर के दरवाजे कार्यकर्ताओ एवं आमजन के लिये चैबीस घंटे खुले रहते है। जिस प्रकार नागदा- खाचरौद मेरा परिवार है उसी तरह मैने भी मंदसौर को अपना परिवार माना है। यहां पर संगठन के दायित्व मेरे पास रहे है जिसके चलते मेरा हमेशा से ही मंदसौर से

पारिवारिक नाता जुडा रहा।

श्री गुर्जर ने केन्द्र के वित्त मंत्रालय के अधीन अफीम फसल की नवीन पध्दति सीपीएस को किसानो के शोषण वाली निति बताते हुये कहा कि इससे किसानो का शोषण होता है, हम इस पध्दति को बंद करेगे। श्री गुर्जर ने किसानो पर झूठे पुलिस प्रकरणो लादे जाने का आरोप लगाते हुये अफीम किसानो के शोषण बंद करने भरोसा दिलाया। उन्होने मंदसौर विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुये कहा कि आपने एक सरल एवं अच्छे नेता विपिन जैन को विधायक बनाया है, जब भी कार्यकर्ता प्रण लेता है तो इतिहास बना देता है। आप सब लोगो के संकल्प से हम मंदसौर संसदीय क्षेत्र का चुनाव भी जितेगे।कार्यकर्ता सम्मेलन को जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व मंत्री एवं लोकसभा प्रभारी श्री नरेन्द्र नाहटा, पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटील, जावरा विधानसभा प्रत्याशी श्री विरेन्द्रसिंह सोलंकी, सुवासरा विधानसभा प्रत्याशी श्री राकेश पाटीदार, मल्हारगढ विधानसभा प्रत्याशी श्री परशुराम सिसोदिया, मंदसौर विधानसभा प्रत्याशी 2008 श्री महेन्द्रसिंह गुर्जर, वरिष्ठ नेता श्री ओमसिंह भाटी, जावरा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री यूसूफ कडप्पा, जिला पंचायत सदस्यगण श्री दीपकसिंह चैहान, श्री रिंकेश डबकरा, रविन्द्र पाटीदार, श्री बलवंतसिंह चैहान, श्री श्याम गुगर, श्री विनोद शर्मा दलौदा, श्री विनोद शर्मा जवासिया, श्री विश्वास दुबे, श्री नोंदराम गुर्जर, श्री घनश्याम अटोलिया, श्री मदन अटोलिया, श्री जितेन्द्र सोपरा, कांग्रेस नेता श्री शेलेन्द्र बघेरवाल, श्री कमलेश सोनी लाला, संजय माहेश्वरी, श्री धमेन्द्र शर्मा भावगढ, श्री लक्ष्मणदास मेघनानी, श्रीमती बबीतासिंह तोमर, श्री हाजी रशीद, श्री प्रकाश राठौर, श्री आनंद हुपेले, श्री अशोक खिची, श्री संजय वर्मा, श्री प्रहलाद शर्मा भलोट, श्री गोविंदसिंह डोराना, श्री कमलेश जैन, श्री मुलचंद्र प्रजापत, श्री प्रमोद भवालकर, श्री अशोक रेकवार, श्री संजय सोनी, श्री निर्मल बसेर, श्री सकलेन करार, श्री राजेश फरक्या, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्षगण सर्व श्री अनिल शर्मा, बसंतीलाल सोलंकी, विकास दशोरा, गोपाल विश्वकर्मा, ईश्वरलाल धाकड, सुरेश पाटीदार, कृपालसिंह सोलंकी, कमलेश जायसवाल सोनू, ओमप्रकाश राठौर, भवानीशंकर धाकड, विरेन्द्रसिंह हाडा, करणसिंह मेलखेडा, कार्यकारी अध्यक्षगण अंबालाल हिंगोरिया, डॉ घनश्याम कुमावत, श्री सलीम खान, पंकज जाट, किसान नेता श्री समरथ गुर्जर, शाजिया खान, श्री संजय मंडलोई, श्री मुकंद कुशवाह, मंडलम अध्यक्षगण श्री पंकज जोशी, श्री दशरथ राठौड, श्री विजय जैन चैधरी, श्री शुभम कुमावत, श्री नितेश सतीदासानी, श्री अजय मारू, श्री अजय सोनी, श्री वकार खान, श्री रमेश ब्रिजवानी, सेक्टर अध्यक्षगण श्री वहीद जैदी, श्री विनोद शर्मा, श्री सादीक गोरी, श्री कचरमल जटिया, श्री महेश गुप्ता, ग्रामीण मंडम अध्यक्षगण श्री राजेन्द्र कुमावत, श्री श्याम जाट, श्री चंद्रशेखर अहीरवार, श्री रविन्द्र कुमावत, डॉ विनोद कुमावत सहित, बेरोजगार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री मांगुसिंह बोराना, बूथ प्रबंधन के अध्यक्ष श्री डॉ अभिषेक राठौर, श्री जगदीश धनगर फौजी, गरोठ विधानसभा प्रभारी मनजीतसिंह टूटेजा, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री कर्मवीरसिंह भाटी, श्री रतनसिंह सूर्यवंशी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष श्री ब्रदीलाल धाकड, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रूपल संचेती, अजा विभाग अध्यक्ष श्री संदीप सलोद, सेवादल अध्यक्ष श्री दिलीप देवडा, एनएसयुआई जिलाध्यक्ष श्री रितिक पटेल, पूर्व नपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, श्री गोविंदसिंह पंवार लदूना, नगर पालिका नेताप्रतिपक्ष रफत पयामी आदी ने भी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण सुरेश भाटी, इष्टा भाचावत, असगर भाई मेव, जितेन्द्रसिंह राजाखेडी, अजय लोढा, श्री जगन्नाथ पटेल, डॉ अजीत जैन, श्री शंकरलाल आंजना, श्री शक्तिदानसिंह सिसोदिया, श्रीमती सरोजसिंह सिसोदिया, श्री सुरेन्द्र कुमावत, श्री अजहर हयात मेव, श्री भोपालसिंह सोलंकी, श्री गणपतलाल पंवार, श्री किशोर गोयल, श्री तुलसीराम पाटीदार, श्री फकीरचंद्र गुर्जर, श्री गोविंदसिंह सिसोदिया, श्री परमेश्वर पाटीदार, श्री रामेश्वर जामलिया, श्री महेन्द्र पोरवाल शामगढ, श्री दुलेसिंह पंवार, श्री सुनिल बसेर, श्री राजनारायण लाड, श्री तरूण खिची, श्री अरूण ठन्ना, श्री हेमंत शर्मा, श्री आदीवासी कांग्रेस के अध्यक्ष श्री रमेश सिंगार, नागदा के वरिष्ठ नेता श्री राधे जायसवाल, श्री सम्यंक जैन, श्री आदर्श जोशी, श्री यश श्रीवास्तव, श्री हरिश पाटीदार, श्री अनोखीलाल सोलंकी, श्री आमिर खान, सहित बडी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर ने किया।

बाबा श्री पशपुतिनाथजी के किये दर्शन, तलाई वाले बालाजी के समक्ष नवाया शीश, सभी वर्गो की खुशहाली की कामना की

बाबा श्री पशुपतिनाथजी मंदिर में कांग्रेस प्रत्याश्री श्री दिलीसिंह गुर्जर ने विधायक श्री विपिन जैन के साथ दर्शन एवं पूजन कर कांग्रेस की विजय हेतु आर्शिवाद लिया। इसके साथ ही उन्होनें गांधी चैराहे पर प्रसिध्द तलाई वाले बालाजी पर शीश नवाते हुये क्षेत्र के नागरिको की खुशहाली की भी कामना की।

कचनारा से लेकर मंदसौर तक हुआ जगह-जगह स्वागत

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीपसिंह गुर्जर के मंदसौर आगमन पर कचनारा से लेकर मंदसौर नगर में अनेक जगह स्वागत हुआ। भावगढ फंडे पर सचिन पायलेट दलौदा टीम के पुष्कर कुमावत द्वारा स्वागत किया गया। दलौदा प्रगति चैराहे पर धुंधडका ब्लॉक कांग्रेस द्वारा स्वागत उपरांत मेनपुरिया गेट पर सुवासरा विधानसभा प्रत्याशी श्री राकेश पाटीदार ने स्वागत किया। इसके उपरांत ओखाबावजी गेस्ट हाउस के समीप अलावदाखेडी के कांग्रेसजनो द्वारा स्वागत सत्कार पश्चात पशुपतिनाथ मंदिर के समीप श्री परशुराम सिसोदिया मित्र मंडल द्वारा स्वागत किया गया। प्रतापगढ पुलिया के समीप खानपुरा मंडलम द्वारा स्वागत हुआ। सदर बाजार पर श्री संजय नाहर मित्र मंडलम के स्वागत उपरांत सदर बाजार, कालिदास मार्ग, नेहरू बस स्टेण्ड मार्ग पर अनेक व्यापारिक बंधुओ ने स्वागत किया।

सिंगल कॉलम

जयशंकर का मलयेशिया दौरा खत्म,कई क्षेत्रों में सहयोग पर की चर्चा

कुआलालंपुर। सिंगापुर और फिलीपींस के दौरे के बाद केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को मलयेशिया पहुंचे थे। मलयेशिया की दो दिवसीय दौरे का समापन गुरुवार को हुआ। जयशंकर ने अपने दौरे का समापन मलयेशिया के डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से मुलाकात के साथ की। मलयेशिया पहुंचकर जयशंकर ने वहां के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम से मुलाकात की। जयशंकर ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं भी दी। सोशल मीडिया पर जयशंकर ने कहा, मलयेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात सम्मान की बात है। पारंपरिक और नए युग दोनों क्षेत्रों में मजबूत भारत-मलयेशिया संबंधों के लिए उनका दृष्टिकोण, हमें रिश्ते के लिए एक अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने में मदद करेगा। क्षेत्रीय विकास पर उनके मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि से लाभ हुआ है। जयशंकर ने भारत-मलयेशिया रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने में समर्थन के लिए प्रधानमंत्री अनवर का धन्यवाद किया। उन्होंने मलयेशिया के विदेश मंत्री हाजी मोहम्मद बिन हाजी हसन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में बातचीत हुई। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दों पर भी चर्चा की। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से भी मुलाकात की।

भारत-चीन सीमा विवाद पर बीजिंग में हुई बैठक, शांति बनाने पर जताई सहमति

बीजिंग। भारत-चीन सीमा विवाद के बीच दोनों देशों ने इस मामले को सुलझाने के लिए बीजिंग में एक बैठक की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत-चीन सीमा विवादों को लेकर बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने की। उन्होंने बीजिंग में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दूसरी ओर से चीन की तरफ से चीनी विदेश मंत्री इस बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधि के बीच भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्रों में वास्वविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर जारी विवाद पर चर्चा की गई। बैठक के बाद दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमित जताई है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से नियमित संपर्क बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच पिछले साल नवंब में बैठक हुई थी। हाल ही में चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया था। हालांकि, भारत ने इस दावे को खारिज कर दिया था। इससे पहले भी चीन कई बार अरुणाचल प्रदेश पर दावा कर चुका है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने चीन के इन निराधार दावों को खारिज करते हुए कहा कि अरुणाचल उत्तरपूर्वी राज्य होने के साथ भारत का एक अभिन्न हिस्सा है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि अरुणाचल के लोगों को भारत के विकास कार्यक्रम और परियोजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

शांति सैनिकों के के अपराधों के रिकॉर्ड के लिए भारत ने लॉन्च किया डेटाबेस

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को रिकॉर्ड करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की दिशा में काम करने के लिए एक नया डेटाबेस लॉन्च किया है। भारत की यूएन दूत रुचिरा कंबोज ने इसकी जानकारी दी है। डेटाबेस की लॉन्च की घोषणा मंगलवार को भारत के नेतृत्व वाले ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (जीओएफ) के बीच उच्च स्तरीय बैठक में हुई। रुचिरा कंबोज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यूएन के शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को रिकॉर्ड करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की दिशा में काम करने के लिए एक नया डेटाबेस लॉन्च करके खुशी हो रही है। डेटाबेस को ऑनलाइन भंडार के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत द्वारा प्रायोजित इस डेटाबेस को यूनाइट अवेयर प्लेटफॉर्म पर होस्ट किया गया है। इस बैठक में रुचिरा कंबोज ने पिछले वर्ष जीओएफ की प्रगति पर प्रकाश डाला। जीओएफ की स्थापना 2022 में हुई थी। इसे भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र परिषद की अध्यक्षता के दौरान ब्लू हेलमेट्स के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेह को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था। भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरोक्को और नेपाल जीओएफ के सह अध्यक्ष हैं। इसमें 40 अन्य देश भी शामिल हैं। जीओएफ की दूसरी बैठक मंगलवार को हुई, जिसमें शांति सैनिकों को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

ईडी की जब्त संपत्ति का क्या होता है, जिसे गरीबों में बांटने की बात कर रहे हैं पीएम?

नई दिल्ली। चुनावी सीजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से बड़ा दावा किया है। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अमृता रॉय से बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा है कि ईडी के जब्त पैसे को मैं गरीबों के बीच बांटना चाहता हूं। पीटीआई के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपसे से एक सलाह ले रहा हूं कि बंगाल में ईडी वालों ने करीब 3,000 करोड़ रुपये इनका अटैच किया हुआ है। यह पैसा गरीब लोगों का है और मेरी इच्छा है कि मैं उन्हें यह वापस कर दूं। पीएम मोदी ने आगे कहा- बीजेपी के लोग बंगाल की जनता को यह जरूर बताएं कि ईडी के पास जो पैसे हैं, वो उन्हें जरूर मिलेंगे। चुनाव बाद अगर हमारी सरकार बनती है, तो हम इसको लेकर कानून भी बनाएंगे।

ईडी की कार्रवाई से कितने रुपए जब्त हुए?

केंद्र सरकार ने साल 2022 में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर एक डेटा शेयर किया। इस डेटा के मुताबिक साल 2004-14 तक ईडी ने 112 रेड मारे थे, जो 2014 से 2022 तक बढ़कर 3,000 के पार पहुंच गया। केंद्र के मुताबिक 2014-22 तक ईडी की टीम ने करीब 99,356 करोड़ रुपए जब्त किए। वित्त मंत्रालय के मुताबिक जिन मामलों में ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई की, उनमें से 23 मामलों में आरोपी व्यक्ति और संस्था को कोर्ट ने भी दोषी ठहराया। मंत्रालय के मुताबिक कोर्ट से दोषी ठहराए जाने की वजह से सरकार को 869.31 करोड़ रुपए मिले। 2022 से 2024 का डेटा ईडी की ओर से नहीं दिया गया है।

पैसे जब्ती की प्रक्रिया

धनशोधन कानून (पीएमएलए) में ईडी को पैसे जब्ती का अधिकार दिया गया है। ईडी जब छापेमारी की कार्रवाई करती है, तब उसे जो भी रुपए या सामान मिलते हैं, वो उसका रिपोर्ट तैयार करवाती है। इस रिपोर्ट पर आरोपी व्यक्ति के साथ-साथ ईडी के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर हस्ताक्षर करते हैं। रिपोर्ट तैयार होने के बाद ईडी पैसों को बैंक में अकाउंट खुलवाकर जमा करवा देती ह। साथ ही रेड के दौरान मिले समान को लिफाफे में डालकर लॉकर में रख दिया जाता है। ईडी उन संपत्तियों को ही जब्त करती है, जिसका स्रोत बताने में आरोपी नाकाम रहते हैं। उदाहरण के लिए रेड के दौरान किसी आरोपी के घर से अगर 5 लाख रुपए मिलते हैं और आरोपी उस पैसे का स्रोत बताने में सफल रहता है, तो उसका रुपया जब्त नहीं किया जा सकता है। स्रोत बताने में असफल रहने पर पैसा जब्त कर लिया जाता है। जब्त पैसे को जांच एजेंसी के पर्सनल डिपॉजिट अकाउंट में जमा किया जाता है।

ईडी इन पैसों का क्या करती है?

कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जाता है। कोर्ट अगर आरोपी के पैसे को सही मान लेती है, तो ईडी उस पैसे को उसके मालिक को लौटा देती है।

कोर्ट में पैसा अगर गलत माना जाता है, तो ईडी उस पैसे को केंद्र सरकार के पास भेज देती है। केंद्र के पास जाने वाले इस पैसे को पब्लिक मनी कहा जाता है।

भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के बीच बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम में नाटकीय मोड़

इंडिया आउट कैंपेन पर भड़कीं बांग्लादेश की पीएम

ढाका। पड़ोसी देश बांग्लादेश में विपक्षी नेताओं की ओर से चलाई जा रही भारत विरोधी मुहिम इंडिया आउट कैंपेन पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने करारा प्रहार किया है। विपक्षी पार्टी खासकर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं को करारा जवाब देते हुए शेख हसीना ने कहा है कि जब वे अपने पार्टी कार्यालय के सामने अपनी पत्नियों की भारतीय साड़ियां जलाएंगे, तभी यह साबित होगा कि वे वास्तव में भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बांग्लादेश की न्यूज वेबसाइट द डेली स्टार के मुताबिक, बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम में उस वक्तनाटकीय मोड़ देखने को मिला जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने विपक्षी नेताओं के इंडिया आउट कैंपेन का जवाब भारतीय साड़ियों से जोड़कर दिया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शेख हसीना के बयान से बांग्लादेश की राजनीति में और भूचाल आने की संभावना है। पिछले सप्ताह मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के सीनियर ज्वॉइंट सेक्रेटरी जनरल रुहुल कबीर रिजवी ने भारत पर निशाना साधते हुए कहा था कि भारत बांग्लादेश के लोगों का नहीं, बल्कि अवामी लीग का समर्थन करता है। यही कारण है कि बांग्लादेश के लोग इंडिया आउट कैंपेन चला रहे हैं और भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी का नाम बांग्लादेश अवामी लीग है।

विपक्षी पार्टी के नेताओं पर हसीना का पलटवार

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने विपक्षी नेताओं पर यह निशाना ऐसे समय में साधा है जब हाल ही में रुहुल कबीर रिजवी ने इंडिया आउट कैंपेन का समर्थन करते हुए अपनी कश्मीरी शॉल को जला दिया था। बीएनपी के ही एक अन्य नेता जैनुल आबेदीन फारूक ने शुक्रवार को कहा था कि भारत ने बांग्लादेश के लोगों की इच्छा के खिलाफ जाकर हसीना सरकार का समर्थन किया है। यही वजह है कि बांग्लादेश के लोग भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं।

क्या पत्नियों की भारतीय साड़ियां जला सकते हैं विपक्षी?

बांग्लादेश के आजादी दिवस पर बोलते हुए शेख हसीना ने कहा कि बीएनपी के नेता ने अपनी कश्मीरी शॉल जला दी। क्या वे बताएंगे कि बीएनपी नेताओं की पत्नियों के पास कितनी भारतीय साड़ियां हैं? मैंने बीएनपी नेताओं (मंत्रिओं) की पत्नियों को ईद से पहले भारत से आयातित साड़ियां बेचते देखा है। अगर बीएनपी के नेता वास्तव में भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं तो वे अपनी पत्नियों की भारतीय साड़ियां जला देंगे। शेख हसीना ने आगे कहा कि उन्हें यह जवाब देना होगा कि क्या वे भारतीय मसालों के बिना खाना खा सकते हैं। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या उन्होंने सच में भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया है?

बांग्लादेश में हुए चुनाव से भारत का क्या कनेक्शन?

जनवरी 2024 में बांग्लादेश में हुए आम चुनाव का मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी और उनके सहयोगियों ने बहिष्कार किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग शुरुआत से ही यह कहता आ रहा है कि वह बांग्लादेश में लोगों की अपेक्षा के अनुरूप हमेशा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक चुनाव का समर्थन करता है। हालांकि, अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादिर ने पिछले शनिवार को यह कहा था कि भारत के समर्थन के कारण ही कई शक्तिशाली देश, चुनाव समेत बांग्लादेश के अन्य घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं। वहीं, बांग्लादेश के विपक्षी नेताओं का कहना है कि भारत के समर्थन के कारण ही इस एकतरफा चुनाव को वैश्विक मान्यता मिली है। इसलिए इंडिया आउट कैंपेन के माध्यम से भारत और उसके उत्पादों का बहिष्कार किया जाना चाहिए।

एक्टर गोविंदा शिवसेना शिंदे गुट में शामिल, लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

मुंबई। एक्टर गोविंदा लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। गुरुवार को वे महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे से मिलने पहुंचे। इसके बाद सीएम शिंदे ने उन्हें अपनी पार्टी शिवसेना की सदस्यता दिलाई। इसके बाद अब चर्चा है कि वे आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। जानकारी के मुताबिक, गोविंदा को सीएम शिंदे की पार्टी शिवसेना (शिंदे गुट) से टिकट मिल सकता है।शिंदे की पार्टी गोविंदा को मुंबई नॉर्थ वेस्ट लोकसभा सीट से चुनाव लड़वा सकती है। इस सीट से उद्धव ठाकरे (शिवसेना गुट) की तरफ से अमोल कीर्तिकर को उम्मीदवार बनाया है।

बता दें कि इससे पहले बुधवार को गोविंदा ने शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के प्रवक्ता और पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े से भी मीटिंग की थी। इसके बाद से ही सियासी गलियारों में सुगबुगाहट शुरू हो गई थी कि गोविंद एक बार फिर राजनीति में वापसी करने जा रहे हैं। इसके के मद्देनजर उन्होंने शिवसेना शिंदे गुट की सदस्यता ले ली है। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही उनकी सीट का ऐलान भी हो जाएगा। गोविंदा के लिए यह पहली चुनावी पारी नहीं होगी। इससे पहले वे 2004 से 2009 तक सांसद रह चुके हैं। तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ा था। उस वक्त गोविंदा मुंबई नॉर्थ से सांसद चुने गए थे। तब उन्होंने बीजेपी के राम नाइक को चुनाव हराया था।

राजा बाबू, कुली नंबर 1 जैसी फिल्मों ने दिलाई पहचान

गोविंदा ने अपने करियर में 165 से ज्यादा बॉलिवुड फिल्मों में काम किया। इसमें राजा बाबू, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, बड़े मियां छोटे मियां, भागमभाग, पार्टनर ने उनको अलग पहचान दिलाई। एक्टिंग के साथ-साथ उनके डांसिंग मूव्स भी फैंस को खूब भाते हैं। बता दें कि महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों पर 5 चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 19 अप्रैल को यहां वोटिंग होगी। वहीं दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होगा। तीसरे चरण के लिए 7 मई को वोट डाले जाएंगे। चौथे चरण का चुनाव 13 मई को होगा। वहीं पांचवें और आखिरी चरण के लिए 20 मई को वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) ने गठबंधन कर महायुति बनाई है। इस गठबंधन के तहत राज्य की लोकसभा सीटों पर बंटवारे का फॉर्मूला भी तय कर लिया गया है। वहीं इस गठबंधन का मुकाबला एमवीए से है। इसमें शरद पवार गुट, उद्धव गुट और कांग्रेस शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया से भारत आया शव, एयरपोर्ट कर्मचारियों ने की गड़बड़

लाश के बॉक्स को स्पेयर पार्ट्स समझकर दूसरे को सौंपा

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया। यहां ऑस्ट्रेलिया से लाए गए एक मृतक का शव परिवार का सत्यापन किए बिना किसी अन्य को सौंप दिया गया। एयर इंडिया की फ्लाइट में लाई गई मृतदेह परिवार को नहीं मिली, तो परिजन हंगामा करने लगे। परिजनों ने इस घटना को लेकर डीजीसीए और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से शिकायत भी की। बताया जा रहा है कि गुजरात के सुरेंद्रनगर के रहने वाले झील खोखर की 17 मार्च को ऑस्ट्रेलिया में मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने फैसला किया कि उनका अंतिम संस्कार गृहनगर अहमदाबाद के सुरेंद्रनगर में किया जाएगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से कार्गो फ्लाइट में झील का पार्थिव शरीर लाया गया था। अहमदाबाद के एयरपोर्ट में झील का शव सुरक्षित पहुंच भी गया था। मगर, परिजनों के वैरिफिकेशन के बिना उनके शव को किसी और को सौंप दिया गया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी जिम्मेदार

इसके बाद एयरपोर्ट पर हंगामा होने लगा। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने जब मामले की जांच की, तो पता चला कि एयर इंडिया के कार्गो फ्लाइट में ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद लाया गया झील का शव मुंबई की कंपनी का स्पेयर पार्ट्स समझकर अहमदाबाद की कॉर्पोरेट ऑफिस को सौंप दिया गया था। एयर इंडिया की तरफ से मृतदेह सौंपने में हुई आश्चर्यजनक गलती के पीछे एयरपोर्ट अथॉरिटी को जिमेदार ठहरा दिया गया। बता दें कि अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में कार्गो फ्लाइट का आवागमन रहता है। ऐसे में गलतफहमी की वजह से यह घटना हुई।

पति ने खेला खूनी खेल, सोए अवस्था में पत्नी और तीन मासूम बच्चियों की धारदार हथियार से की हत्या

मोतिहारी- बिहार के मोतिहारी जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक सनकी पति ने पत्नी और तीन मासूम बच्चियों की निर्मम हत्या कर दी। वहीं, एक साथ एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या से पूरा इलाका सदमे में है। पति ने पत्नी और 3 बच्चियों को काट डाला जानकारी के मुताबिक, रौंगटे खड़े कर देने वाली ये वारदात पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बाबरिया गांव की है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने फिर चेताया- आरओ का पानी सेहत के लिए हानिकारक

नई दिल्ली। भारत के ज्यादातर घरों में स्वच्छ पानी के लिए आरओ यानी वाटर प्यूरीफायर लगा हुआ है। आमतौर पर हमें यह बताया जाता है कि आरओ का पानी सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। यही कारण है कि हम अपने घरों में महंगे से महंगा वाटर प्यूरीफायर (आरओ) लगवाते हैं, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी की विशेषज्ञों ने आरओ का पानी पीना सेहत के लिए हानिकारक बताया है।

दरअसल हाल ही में आरओ सिस्टम पर एक वेबिनार हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने बताया कि आरओ यानी वाटर प्यूरीफायर से जब हम पानी साफ करते हैं तो इस प्रक्रिया के दौरान न सिर्फ पानी की गंदगी खत्म होती है, बल्कि पानी में घुले खनिज पदार्थ भी खत्म हो जाते हैं। ऐसे में आरओ का पानी जब शरीर में जाता है तो वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाता है।साफ साफ कहा जाए तो आरओ के पानी का लंबे समय से सेवन करने से शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

उबला हुआ पानी ज्यादा बेहतर

एक रिपोर्ट में मेदांता अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अश्विनी सेत्या ने कहा कि आरओ से फिल्टर करने के दौरान जरूरी खनिजों का खत्म हो जाना सच है। ऐसे में आरओ से बेहतर है कि आप उबला हुआ पानी पीएं। उन्होंने कहा कि पानी से आवश्यक खनिज खत्म होने से आपकी इम्यूनिटी पर असर पड़ सकता है। डॉक्टर ने आगे कहा कि लंबे वक्त तक बोतलबंद पानी पीना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है

वेबिनार में विशेषज्ञों ने क्या कहा

इस वेबिनार के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि अगर आप अपने घर में आरओ का इस्तेमाल कर ही रहे हैं, तो इस बात का ख्याल रखें कि प्यूरिफाई किए गए पानी में कम से कम 200 से 250 मिलीग्राम प्रति लीटर के दर से ठोस पदार्थ घुले हुए हो। अगर आप ठोस पदार्थ वाला पानी पीते हैं तो आपके शरीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसी जरूरी खनिजों की सप्लाई होती रहेगी। इस वेबिनार से पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन भी आरओ फिल्टर के इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दे चुका है। साल 2019 में ही डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि आरओ फिल्टर पानी को साफ तो करती है लेकिन इसके कैल्शियम और मैग्नीशियम को खत्म कर देती है, ये मिनरल शरीर में ऊर्जा पैदा करने के लिए बेहद जरूरी हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार से पीने वाले पानी का टीडीएस 300 मिलीग्राम से कम होना चाहिए। टीडीएस लेवल 900 से ऊपर है, तो उसे भूल से भी नहीं पीना चाहिए।

विटामिन बी12 की कमी हो सकती है

एसएसजी हॉस्पिटल की एक स्टडी में पता चला है कि काफी लंबे समय तक आरओ का पीने से आपके शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो सकती है। इस अध्ययन में पाया गया कि फिल्टर से पानी की सफाई करते वक्त आरओ कोबाल्ट भी अलग कर देता है और ये विटामिन बी12 का जरूरी तत्व है। रिसर्च में देखा गया कि आरओ वाटर पीने वालें लोगों के शरीर में विटामिन बी12 नॉर्मल लेवल से नीचे था। एक्सपर्ट्स की मानें तो पाने वाले पानी का टीडीएस अगर 500 से नीचे है, तो उसे पीने योग्य माना जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569